PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 181 ● भिलाई, शुक्रवार 23 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

पाकिस्तान और सूडान की श्रेणी में आया बांग्लादेश?

नईदिल्ली। बांग्लादेश में चिंताजनक हालात को देखते हुए भारत ने अपने सभी राजनयिकों के परिवारों को वापस बुला लिया है। हालांकि, राजनयिक सभी मिशनों पर तैनात रहेंगे। केंद्र सरकार ने यह फैसला तब लिया है, जब बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं और वहां हालात तनावपूर्ण हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि सभी परिवार जनवरी के अंत तक भारत आ जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि भारत ने बांग्लादेश को गैर-पारिवारिक राजनयिक तैनाती स्थल के रूप में दर्ज करने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि बांग्लादेश में तैनात होने वाले राजनयिक अब अपने पति-पत्नी और बच्चों समेत परिवार के अन्य सदस्यों को साथ नहीं ले जा सकेंगे।

पहाड़ों की बर्फबारी और मैदानों की बारिश से बिगड़ेंगे हालात

नईदिल्ली। उत्तर भारत में इन दिनों तापमान में मामूली बढ़ोतरी से ठंड ने थोड़ी राहत दी है, लेकिन अब मौसम एक बार फिर करवट बदलने वाला है। पहाड़ों पर भारी बर्फबारी और मैदानों में बारिश के साथ तेज हवाओं का दौर शुरू होने से कड़ाके की सर्दी लौटने वाली है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 22 जनवरी से राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में बारिश की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 22 से 26 जनवरी तक बारिश और भारी बर्फबारी की संभावना बनी हुई है। गुलमर्ग, मनाली, शिमला में बर्फ की चादर बिछी नजर आ सकती है। आईएमडी ने उत्तराखंड में 23-25 जनवरी के बीच भारी बारिश और तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है।

अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर अमेरिकी संस्था का दावा, कहा- दुर्घटनाग्रस्त विमान में कई खामियां थीं

अहमदाबाद। अमेरिका की विमानन सुरक्षा से जुड़ी एक संस्था ने दावा किया है कि गुजरात के अहमदाबाद में पिछले साल दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में पहले भी कई खराबी आ चुकी थी। अमेरिकी अभियान समूह, फाउंडेशन फॉर एविएशन सेफ्टी ने बताया कि एयर इंडिया विमान में न केवल खराबी आई थी बल्कि उसमें पहले आग भी लग चुकी थी। संस्था ने अपनी रिपोर्ट अमेरिकी सीनेट को भेजी है, जिसमें अपने निष्कर्षों को रेखांकित किया है। दुर्घटना की आधिकारिक जांच जारी है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी संस्था ने कहा कि उसने यह दावा उन दस्तावेजों के आधार पर किया है, जो उसके हाथ लगे हैं। हालांकि, बोइंग ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुर्घटना में शामिल विमान (पंजीकरण नंबर वीटी-एएनबी) शुरुआती 787 विमानों में से एक था। इसने पहली बार 2013 के अंत में उड़ान भरी थी और 2014 की शुरुआत में एयर इंडिया के साथ सेवा में शामिल हुआ था।

छत्तीसगढ़ प्लांट में घमाका

छह मजदूरों की मौत, दस घायल, कई मलबे में दबे

भाटापारा। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार भाटापारा जिले के बलौदाबाजार में इस्पात संयंत्र में भीषण हादसा हो गया। क्लिनिकल फर्नेस के दौरान ब्लास्ट होने में छह मजदूरों की मौत हो गई है। वहीं दर्जनभर लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। अफरा-तफरी मच गई। पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई है। दरअसल, बलौदाबाजार जिले के भाटापारा क्षेत्र के बकुलाही गांव में स्थित एक निजी इस्पात स्पंज आयरन फैक्ट्री में आज यानी गुरुवार सुबह भीषण विस्फोट होने से कम से कम छह मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक अन्य गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घटना सुबह करीब 10 बजे उस समय हुई, जब फैक्ट्री के स्पंज आयरन प्लांट के कोल कीलन में अचानक तेज धमाका हो गया। इसकी चपेट में आए अधिकांश मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी चीख-पुकार से पूरा परिसर गूंज उठा। विस्फोट इतना भीषण था कि आसपास काम कर रहे लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। मौके पर दमकल, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत पहुंच गए और घायलों को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कुछ गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने पूरे मामले में केस दर्ज कर आधिकारिक जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में फैक्ट्री की तकनीकी खराबी या मशीनरी में दबाव वृद्धि को विस्फोट का संभावित कारण बताया जा रहा है। अधिकारियों ने मृतकों के परिजनों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने और घायलों के बेहतर इलाज की भी बात कही है। इधर, मजदूर संगठनों ने इस हादसे को सुरक्षा मानकों की उपेक्षा का नतीजा बताया है। उन्होंने कहा कि कारखानों में सुरक्षा उपायों की कमी अनेक बार जानलेवा साबित हो चुकी है। और इस पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस और राहत कर्मी बचाव कार्य में जुट गए हैं। मृतकों की पहचान की जा रही है। वहीं दावा किया जा रहा है कि अभी कई लोग मलबे में दबे हैं। हादसे पर छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने गहरा शोक व्यक्त किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- हादसे में गंभीर रूप से घायल श्रमिकों को बेहतर उपचार के लिए सिम्स, बिलासपुर में भर्ती कराया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि घायलों को हर संभव उत्तम एवं त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जताया दुख

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि उन्होंने कलेक्टर से बात की है और उन्हें घायलों को बेहतरीन इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया है। जायसवाल ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति के लिए प्रार्थना की। स्वास्थ्य मंत्री ने घटना की गहन जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफत्वरित एवं कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। मंत्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार इस मुश्किल घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और हर आवश्यक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

प्लांट प्रबंधन नहीं दे रहा कोई जानकारी

हादसे के बाद सबसे गंभीर बात यह सामने आ रही है कि प्लांट प्रबंधन की ओर से अब तक किसी भी प्रकार की आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की जा रही है, न तो मृतकों की सही संख्या की पुष्टि की गई है और न ही हादसे के कारणों को लेकर कोई बयान दिया गया है. इससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं. हादसे में निपनिया चौकी और भाटापारा ग्रामीण पुलिस जांच में जुटी हुई है. विस्फोट की वजह क्या रही है, अभी इस बारे में पता नहीं चल पाया है. पुलिस ने घटनास्थल को घेराबंदी कर सुरक्षित कर लिया है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है.

प्रयागराज विवाद के बीच बड़ा बयान

संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं- सीएम योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोनीपत के मुरथल स्थित बाबा नागे वाला धाम पहुंचे, जहां उन्होंने मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और आठमान भंडारे में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में नाथ संप्रदाय के संतों, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, और योगी आदित्यनाथ के संबोधन से पूरा मंच जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत योगी आदित्यनाथ ने संतों के नाम लेकर जयकारों से की। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में चल रहे माघ मेले और ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़े विवाद के बीच एक बड़ा और सख्त बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एक योगी, एक संत या संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता। योगी ने स्पष्ट किया कि संन्यासी की कोई व्यक्तिगत संपत्ति नहीं होती, उसकी असली संपत्ति धर्म है और राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान है। उन्होंने आयोजक गोरक्षपीठाधीश्वर महंत बालक नाथ महाराज, यहां के महंत और अन्य आयोजकों को बधाई दी। योगी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत में नाथ संप्रदाय सबसे प्राचीन और प्रभावशाली समुदाय है। यह संप्रदाय जनता को जीने का अच्छा तरीका सिखाता है और सनातन धर्म को मजबूत करने में सबसे आगे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सनातन धर्म की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि गुलामी और विदेशी ताकतों को पीछे छोड़ते हुए हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं। भारत का हित होगा तो सनातन धर्म मजबूत होगा, कहा कि ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। राजनीति भी ऐसे लोगों के हाथों में होनी चाहिए जो भारत को मजबूत बनाएं।

28 से शुरू होगा संसद का बजट सत्र

केंद्र ने 27 को बुलाई सर्वदलीय बैठक, विपक्ष को साधने की तैयारी

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार, 1 फरवरी को देश का बजट पेश करेंगी। इससे पहले संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बजट सेशन से पहले, 27 जनवरी को पार्लियामेंट के दोनों सदनों के फ्लोर लीडर्स की एक ऑल-पार्टी मीटिंग बुलाई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मीटिंग पार्लियामेंट के मेन कमिटी रूम में होने वाली है। उम्मीद है कि सरकार आने वाले सेशन के दौरान जरूरी नेशनल मुद्दों और सदनों के सामने आने वाले लेजिस्लेटिव कामों पर चर्चा करेगी। बता दें कि संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा और एक ब्रेक के साथ 2 अप्रैल तक चलेगा। पहला फेज 28 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा, जबकि दूसरा फेज 9 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा। सेशन के दौरान कुल 30 मीटिंग होने की उम्मीद है। यूनियन बजट 2026-27 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। सेशन की फॉर्मल शुरुआत भारत की प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्यों के संबोधन से होगी। बजट से पहले, फाइनेंस मिनिस्ट्री ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पहले से घोषित कस्टम ड्यूटी रेट्स के बारे में बताया। पिछले बजट सेशन के दौरान, ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स हब के तौर पर भारत की स्थिति को मजबूत करने और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, मंत्रालय ने फ्लैट पैनल डिस्प्ले पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को बढ़ाकर 20 परसेंट करने की घोषणा की।

मंत्रालय ने बेसिक कस्मट ड्यूटी घटाया

मिनिस्ट्री ने ओपन सेल और मुख्य कंपोनेंट्स पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को भी घटाकर 5 परसेंट कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में फाइनेंस मिनिस्टर ने कहा कि हमारी 'मेक इन इंडिया' पॉलिसी के मुताबिक, और इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को ठीक करने के लिए, मैं इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले पर बीसीडी को 10 परसेंट से बढ़ाकर 20 परसेंट करने और ओपन सेल और दूसरे कंपोनेंट्स पर बीसीडी को घटाकर 5 परसेंट करने का प्रस्ताव करता हूं।

गोवा में रूसी नागरिक ने एलेना नाम की 2 महिलाओं की हत्या मां की वजह से की

पणजी। गोवा में पिछले हफ्ते एलेना नाम की 2 रूसी महिलाओं की हत्या के मामले में गिरफ्तार रूसी नागरिक ने पुलिस से कबूला कि उसे इस नाम से नफरत है। आग का करतब दिखाने वाले कलाकार एलेक्सी लियोनोव ने पुलिस को बताया कि उसकी मां का नाम भी एलेना था, जिसने बचपन में उसकी उपेक्षा की थी। इसी वजह से उसके मन में एलेना नाम के लोगों के प्रति एक खास तरह की दुश्मनी पैदा हो गई है। गोवा में 15 जनवरी को 2 रूसी महिलाओं का शव मिलने से सनसनी फैल गई थी।

झारखंड के सारंडा में मुठभेड

एक करोड़ के इनामी अनल समेत कई नक्सली ढेर, करीब 10 साथियों के मारे जाने की भी खबर

रांची। नक्सल विरोधी अभियान के तहत गुरुवार को चाईबासा जिले के सारंडा जंगल क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सली संगठन के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ छोटानागरा थाना क्षेत्र के घने और दुर्गम जंगलों में तब हुई, जब नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त अभियान शुरू किया था। मुठभेड़ में 1 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली अनल सहित 9 से 10 अन्य साथी नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीआरपीएफऔर झारखंड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को सारंडा के जंगलों में नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। तलाशी अभियान के दौरान जैसे ही सुरक्षाबल नक्सलियों के नजदीक पहुंचे, नक्सलियों ने खुद को घिरा हुआ देख अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर

दी। सुरक्षाबलों ने भी तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से काफी देर तक भारी गोलीबारी होती रही, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि सुरक्षाबलों के दबाव बढ़ने पर कुछ नक्सली घने जंगलों का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और सघन तलाशी अभियान जारी है। सुरक्षा एजेंसियां इलाके पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और अतिरिक्त बलों की तैनाती भी की गई है ताकि किसी भी तरह की नक्सली गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

इंदौर के भागीरथपुरा में हेमंत गायकवाड़ की मौत पर परिवार वाले शोक मना रहे हैं। उनकी मौत कथित तौर पर दूषित पानी की वजह से हुए गंभीर डायरिया और उल्टी से हुई।

बजट सत्र में उठाएंगे मुद्दा-खरगे

मनरेगा खत्म करना गरीबों को बंधुआ मजदूर बनाने की साजिश

नयी दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) को खत्म करना गरीबों को 'बंधुआ मजदूर' बनाने की साजिश है तथा 28 जनवरी से शुरू हो रहे संसद के बजट सत्र के दौरान उनका दल इस मुद्दे को उठाएगा। उन्होंने कांग्रेस के नवगठित प्रकोष्ट 'रचनात्मक कांग्रेस' की ओर से आयोजित कार्यक्रम 'मनरेगा बचाओ मोर्चा' को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस मनरेगा की बहाली के लिए देश भर में व्यापक आंदोलन शुरू कर रही है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में हादसा

सेना का वाहन गहरी खाई में गिरा, दस जवानों की जान गई

डोडा/ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए सड़क हादसे में सेना के दस जवानों की जान चली गई जबकि 11 घायल हो गए। हादसा भद्रवाह-चंबा मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि सेना की टीम बृहस्पतिवार सुबह एक ऑपरेशनल ड्यूटी के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान खन्नीटॉप के पास दुर्गम और तीव्र मोड़ पर वाहन अनियंत्रित होकर करीब 400 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि मौके पर ही 10 जवानों की जान चली गई 11 जवान घायल अवस्था में मिले। घायलों को पहले उप जिला अस्पताल भद्रवाह ले जाया गया। जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें विशेष उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर उधमपुर स्थित सेना के कमांड अस्पताल भेजा गया है। हादसे पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि डोडा में हुए

दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हमारे 10 वीर जवानों की जान चली गई। इससे वह बेहद दुखी हैं। हम उनके उत्कृष्ट सेवा भाव और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उपराज्यपाल ने आगे कहा कि इस गहरे दुख की घड़ी में पूरा देश शोकाकुल परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। जोबन जीत, सुधेर नरवाल, मोनू, मोहित, एचआर कंवर, सिमरन, पी लोरा, सुलिंदर, अजय लोफरा और स्वर्ण नाग पाल। साहिल, जेपी सिंह, नीरज, अनूप, नागिस, अमन, शंकर, संदीप, जोबनप्रीत, राकेश और अभिमन्यु के रूप में हुई है। सभी घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया है और वरिष्ठ अधिकारियों को उनके सर्वोत्तम इलाज के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

मठ मंदिरों की भूमि और दान की गई संपदा निजी तिजोरियों में बदल रही है : डॉ निर्वाणी

धर्म स्तंभ काउंसिल ने सांसद विजय बघेल से की निर्णायक हस्तक्षेप की मांग

बेमेतरा। सनातन धर्म की जड़ों पर हो रहे संगठित प्रहार और मठ-मंदिरों को निजी स्वार्थ का केंद्र बनाए जाने के विरुद्ध धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ सौरव निर्वाणी ने दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल से उनके दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात कर गंभीर एवं निर्णायक चर्चा की। डॉ निर्वाणी ने दुर्ग सांसद विजय बघेल को अवगत कराया कि बेमेतरा सहित सम्पूर्ण लोकसभा क्षेत्र में स्थित निम्बार्क संप्रदाय, निर्मोही अखाड़ा, निर्वाणी अखाड़ा एवं दिगम्बर अखाड़ा से जुड़े अनेक मठ-मंदिर आज परंपरागत साधु-संतों के हाथों से छीनकर गैर-धार्मिक, गैर-सनातनी और स्वार्थी तत्वों के कब्जे में चले गए हैं, उन्होंने कहा कि सनातन मठ-मंदिरों का उददेश्य कभी सत्ता, संपत्ति या व्यक्तिगत लाभ नहीं रहा, इनका निर्माण भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की लीलाओं के माध्यम से समाज में धर्म, मर्यादा, नैतिकता और चरित्र निर्माण के लिए किया गया था, इसी पवित्र भावना से प्रेरित होकर समाज के हर वर्ग ने अपनी कृषि भूमि, संपत्ति और साधन दान स्वरूप मठों को अर्पित किए, ताकि साधु-संतों की सेवा, वंचितों का कल्याण, भागवत कथा, रामलीला, भंडारे और लोक परंपराओं का संरक्षण हो सके,लेकिन आज स्थिति भयावह है। मठ मंदिरों की जमीन

बेची जा रही है,दान की गई संपदा निजी तिजोरियों में बदल रही है, और भूमाफिया सनातन संस्थाओं को निगलने में लगे हैं,यह केवल अवैध कब्जा नहीं, बल्कि सनातन चेतना और हमारी लोक आस्थाओं का गला घोंटने का षड्यंत्र है, डॉ सौरव निर्वाणी ने दो टूक कहा- मठ-मंदिर किसी व्यक्ति की जागीर नहींजो इन्हें बेच रहा है, वह केवल जमीन नहीं, धर्म और संस्कृति को बेच रहा है ,यदि आज यह नहीं रुका, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी। सांसद विजय बघेल ने इस गंभीर विषय पर चिंता व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि बेमेतरा सहित पूरे लोकसभा क्षेत्र में मठ-मंदिरों को अनधिकृत और गैर-परंपरागत कब्जाधारियों से मुक्त कराने के लिए हर संवैधानिक और प्रशासनिक स्तर पर सहयोग किया जाएगा, उन्होंने धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा प्रदेशभर में मठ-मंदिर संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए प्रदेश के धार्मिक न्यास एवं धर्मिक मामलों के मंत्री राजेश अग्रवाल से चर्चा कर ठोस पहल करने की बात भी कही। भेंट के अंत में डॉ निर्वाणी ने समाज से भी आह्वान करते हुए कहा भगवान किसी एक जाति या वर्ग के नहीं होते ,मठ-मंदिर सम्पूर्ण समाज की धरोहर हैं,अब समय आ गया है कि हर सनातनधर्मी चुप्पी तोड़े और मठ-मंदिरों की रक्षा के लिए खड़ा हो। उन्होंने यह भी कहा प्रशासनिक सहयोग से मठ मंदिरों के संपत्तियों में कब्जा जमाए बैठे लोगो के विरुद्ध न्यायिक कार्यवाही धर्म स्तंभ काउंसिल करवाएगी।

किसान संतोष रात्रे ने सहजता से बेचा धान, बढ़ी आमदनी

सहज धान खरीदी व्यवस्था से किसान हुए निश्चिंत, समय पर मिल रहा पैसा

कवर्धा। कबीरधाम जिले में इस वर्ष धान खरीदी का काम आसान और व्यवस्थित तरीके से चल रहा है। इसका फायदा सीधे किसानों को मिल रहा है। जिले के ग्राम लिमो निवासी किसान संतोष कुमार रात्रे ने कवर्धा स्थित धान खरीदी केंद्र में बिना किसी परेशानी के अपना धान बेचा। संतोष रात्रे के पास लगभग 3.80 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें उन्होंने इस साल धान की खेती की थी। वे बताते हैं कि इस बार समय पर खाद और बीज मिलने से खेती अच्छी हुई और फसल भी बेहतर निकली। उनका कहना है कि अब धान की खेती पहले की तुलना में ज्यादा लाभकारी हो गई है, क्योंकि जरूरी सामग्री आसानी से मिल जाती है। इस वर्ष संतोष रात्रे ने 78.20 क्विंटल धान उपार्जन केंद्र में बेचा।

उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्र में टोकन की व्यवस्था बहुत आसान है। उन्होंने ऑफलाइन यानी सीधे खरीदी केंद्र में जाकर टोकन लिया और तय समय पर अपना धान बेच दिया। खरीदी केंद्र में अब सभी सुविधाएं मिल रही हैं। बारदाना, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, बैठने की व्यवस्था, टोकन और माइक्रो एटीएम जैसी सुविधाओं से धान बेचने में कोई दिक्कत नहीं होती। धान बेचते ही समय पर भुगतान हो रहा है और पैसा सीधे बैंक खाते में पहुँच रहा है, जिससे काफी राहत मिलती है। छत्तीसगढ़ सरकार, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। धान खरीदी सरकार की प्रमुख योजनाओं में से एक है। वर्तमान में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। इससे किसानों की आमदनी में सीधा फायदा हुआ है।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने की केंद्र व राज्य की फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने समय सीमा की बैठक में केन्द्र और राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने बैठक में पीएम आवास निर्माण, जनमन योजना के तहत निर्माण कार्यों की स्थिति, अपार आईडी निर्माण, जल जीवन मिशन सहित जिले में चल रहे निर्माण कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली और प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर वर्मा ने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से काम करने, नियमित निगरानी रखने और योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर वर्मा ने बताया कि वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर जिले में चार चरणों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसका दूसरा चरण 19 जनवरी से प्रारंभ हो गया है, जो 26 जनवरी तक चलेगा। उन्होंने

कहा कि 26 जनवरी को जिला मुख्यालय, सभी ब्लॉक मुख्यालयों, ग्राम पंचायतों तथा स्कूल-कॉलेजों में ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के बाद बड़े पैमाने पर सामूहिक वंदे मातरम् गायन किया जाएगा। इसके साथ ही स्कूलों में बैंड के माध्यम से वंदे मातरम् से जुड़े संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड सहित छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रहेगी। कलेक्टर वर्मा ने इन सभी कार्यक्रमों के लिए समुचित तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। कलेक्टर वर्मा ने बैठक में ब्लॉक स्तर पर चल रही योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति के बारे में जनपद वार जानकारी ली। उन्होंने विकासखंडों में पीएम आवास निर्माण स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी सीईओ जनपद को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों को जल्द पूरा करने मॉनिटरिंग शेड्यूल बनाकर नियमित निरीक्षण करें। जनमन योजना के तहत आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि आवास मित्रों को इस कार्य में निरंतर उत्कृष्टता बनाए रखनी होगी। उन्होंने आवास मित्रों के कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए ताकि आवास निर्माण कार्य समय सीमा के भीतर गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूरा किया जा सके। उन्होंने जनमन योजना के तहत बन रहे आंगनबाड़ी भवनों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य इस वित्तीय वर्ष में पूरा कर लिया जाए। कलेक्टर वर्मा ने छात्रों के अपार आईडी निर्माण के बारे में अद्यतन प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा, राजस्व और पंचायत विभाग को आपसी समन्वय करते हुए लंबित आईडी निर्माण का काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने बैठक में आगामी गणतंत्र दिवस के गरिमामयी आयोजन के लिए शासन के निर्देशानुसार विभागीय अधिकारियों को सभी तैयारियां करने के लिए निर्देशित किया। राज्य शासन द्वारा जिला मुख्यालय के साथ ब्लॉक, तहसील एवं नगरीय निकायों में आयोजन के लिए प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुरूप आयोजन समारोह का सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में एडीएम विनय पोयाम, नरेन्द्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर कलेक्टर आरबी देवांगन, पडरिया एसडीएम संदीप ठाकुर, कवर्धा चेतन साहू, बोड़ला सागर सिंह राज, सहसपुर लोहारा शिल्पा देवांगन, सहित समस्त जिला अधिकारी उपस्थित थे।

पंडरिया में 14.58 करोड़ की लागत से 3 सड़कों का भूमिपूजन

आदिवासी अंचलों को मिलेगा सीधा लाभ

कवर्धा। पंडरिया विधानसभा के आदिवासी बाहुल्य और वनांचल क्षेत्रों में विकास की रफ्तार लगातार तेज होती जा रही है। विधायक भावना बोहरा के सतत प्रयासों से दूरस्थ इलाकों तक सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। इसी कड़ी में ग्राम पाढ़ी एवं भाकुर में 14 करोड़ 58 लाख 5 हजार की लागत से बनने वाले तीन बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन विधायक भावना बोहरा द्वारा किया गया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम पाढ़ी में 9 करोड़ 52 लाख 35 हजार की लागत से पंडरिया से बकेला तक 13 किलोमीटर सड़क निर्माण, ग्राम भाकुर में 3 करोड़ 38 लाख 90 हजार की लागत से सेंदुरखार से छिंदीडीह तक 10.50 किलोमीटर सड़क तथा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 1 करोड़ 67 लाख

25 हजार की लागत से पंडरीपानी से बाकी बोदरी (पंडरिया) तक 2.30 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। इन सड़कों के निर्माण से मोतिमपुर पाढ़ी, गांगपुर, गौरकापा, खैरझिटी पुराना, लिम्हईपुर, देवसरा, बकेला, भाकुर, तेलियापानी धोबे, जखनाडीह, छिंदीडीह, पंडरीपानी एवं बाकी बोदरी सहित आसपास के अनेक गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। वर्तमान में पंडरिया विधानसभा में लगभग 350 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिससे आने वाले समय में क्षेत्रवासियों को सुरक्षित, सुगम और तेज आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि 14.58 करोड़ से अधिक की लागत से होने वाला यह सड़क निर्माण कार्य वनांचल और आदिवासी क्षेत्रों के विकास, विश्वास और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का माध्यम हैं। कच्चे रास्तों की जगह पक्की सड़कों का निर्माण भाजपा सरकार की विकासपरक सोच और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रमाण है। विधायक भावना बोहरा ने इस विकास कार्यों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत पंडरिया अध्यक्ष नंदनी साहू, जिला पंचायत सदस्य दीपा ध्रुवे, पूर्णिमा साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम पर होगा मेले का आयोजन

बेमेतरा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु 26 जनवरी को प्रस्तावित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत नव साक्षर मेला के सफल आयोजन हेतु जिले में व्यापक तैयारियां की जा रही है, इसी क्रम में जिले के सबसे बड़े शिक्षा संस्थान डाइट बेमेतरा के प्राचार्य जे के घृतलहरे एवं जिला शिक्षा अधिकारी जी आर चतुर्वेदी के सफल मार्गदर्शन में जिला नोडल अधिकारी खोमलाल साहू एवं मास्टर ट्रेनर्स भुवन लाल साहू के द्वारा चारों विकासखंड के संकुल समन्वयक की एक अति आवश्यक बैठक आयोजित किया गया। उक्त बैठक में विकासखंड बेमेतरा से बीआरसी राजेंद्र कुमार साहू, साजा से बीआरसी खोमलाल साहू एवं बेरला से बीआरसी कमलेश निषाद तथा नवागढ़ से भी उपस्थित थे एवं साथ-साथ विकासखंड से आए संकुल समन्वय को 26 जनवरी को होने वाले उल्लास मेले को लेकर विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। बैठक में साजा विकासखंड के बीआरसी और जिला नोडल अधिकारी खोमलाल साहू द्वारा मेले के आयोजन की रूपरेखा जिम्मेदारों के वितरण एवं प्रशिक्षण संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर के निर्देशानुसार 26 जनवरी को जिले के सभी ग्रामों एवं नगरीय निकायों के वार्डों में उल्लास नव साक्षर मेला का आयोजन किया जाना है। इस मेले में 15 वर्ष से अधिक आयु के समस्त महिला और पुरुष शामिल होंगे जो उल्लास साक्षरता केन्द्रों में अध्ययन करेंगे एवं ऐसे और असाक्षर को वालंटियर शिक्षक के माध्यम से पढ़ने लिखने की आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। ताकि उन्हें 200 घंटे की शिक्षा पूर्ण करते हुए आगामी परीक्षाओं में सम्मिलित करके उन्हें मूलभूत संख्या ज्ञान के साथ-साथ वित्तीय डिजिटल, कानूनी, स्वास्थ्य, स्वच्छता, चुनाव साक्षरता, जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशलों को जानकारी प्रदान करनी है। मेले में नव साक्षर विभिन्न स्तरों के माध्यम से अपनी प्रतिभा को प्रदर्शन करेंगे। उक्त मेले का आयोजन प्रत्येक ग्राम व नगरी निकाय जहां पर ध्वजारोहण संपन्न होता है। वहीं पर ग्राम प्रभारी विद्यालय के प्रधान पाठक के माध्यम से या संबंधित शिक्षक के माध्यम से या वालंटियर के माध्यम से इंस्टॉल का आयोजन किया जाएगा। जहां पर उनका प्रारंभिक पंजीयन होगा एवं उनके स्टाल में प्रारंभिक संख्या ज्ञान एवं साक्षरता ज्ञान से संबंधित विभिन्न गेम्स निर्धारित किए गए हैं। उसे गेम्स के माध्यम से यह असाक्षर अपनी प्रतिभा को वहां निखारने का कार्य करेंगे और वहीं पर इनका चिन्हांकन करते हुए आगामी परीक्षा में सम्मिलित करने हेतु वालंटियर नियुक्त होगा और यह वॉलिंटियर 200 घंटे की तैयारी पूर्ण करते हुए इन्हें आगामी मार्च में होने वाले महा परीक्षा में सम्मिलित करने हेतु आवश्यक कदम उठाएंगे। इस तरह से दिनांक 26 जनवरी राष्ट्रीय पर्व के दिन और उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य मेले का शानदार क्रियान्वयन बेमेतरा जिले के समस्त विद्यालयों में संपादित होगा। जिसके लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण किया जा चुका है। संभाग स्तर के अधिकारियों ने ली वेबीनार के माध्यम से बैठक आगामी 26 जनवरी को होने वाले उल्लास मेले के संबंध में संभाग स्तर अधिकारियों ने वेबीनार के माध्यम से जिला बेमेतरा के जिला शिक्षा अधिकारी/ विकासखंड शिक्षा अधिकारी/बीआरसी एवं प्राचार्य तथा संकुल समन्वयक का वेबीनार के माध्यम से बैठक संपन्न किया।

सखी वन स्टॉप सेंटर कबीरधाम भर्ती पात्र एवं अपात्र आवेदकों की सूची जारी

दावा-आपत्ति के लिए 28 जनवरी तक का समय

कवर्धा। सखी वन स्टॉप सेंटर, जिला कबीरधाम में विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की प्रथम स्क्रूटनी पूरी कर ली गई है। इसके बाद पात्र, अपात्र और अमान्य आवेदकों की सूची जिले की आधिकारिक वेबसाइट www.kawardha.gov.in पर अपलोड कर दी गई है। यदि किसी आवेदक को अपनी पात्रता, अपात्रता या आवेदन की स्थिति को लेकर कोई आपत्ति या दावा करना है, तो वे 28 जनवरी 2026 बुधवार शाम 5.30 बजे तक अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा आपत्ति कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला कबीरधाम में रजिस्टर्ड डाक, ई-मेल dwc-dokawardha@gmail.com के माध्यम से या स्वयं उपस्थित होकर जमा की जा सकती है। आवेदकों को ध्यान रखना होगा कि नए दस्तावेज या प्रमाण पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। हालांकि, पहले से जमा किए गए दस्तावेजों की पुष्टि के लिए यदि कोई अतिरिक्त प्रमाण प्रस्तुत किया जाता है, तो उस पर चयन समिति द्वारा विचार किया जा सकेगा। निर्धारित समय सीमा के बाद प्राप्त किसी भी दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

अमलीडीह में सत्संग समारोह व प्रतिभा सम्मान संस्कार बालवाटिका सेवा संस्था का आयोजन

डोंगरगांव नगर। अंचल के ग्राम अमलीडीह में संस्कार बालवाटिका सेवा संस्था के तत्वावधान् में आगामी 24 जनवरी से दो दिवसीय सत्संग समारोह एवं मोटिवेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत अंचल के प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान भी संस्था द्वारा किया जायेगा। आयोजन समिति के अनुसार प्रथम दिवस 24 जनवरी को सुबह 9 बजे से गांव में गीत संगीत के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी। पश्चात् सुबह 11 बजे से विभिन्न संतो का प्रवचन,

दोपहर 12 बजे से 1.30 बजे तक तथा दूसरे पहर में दोपहर 3 बजे से रणजीत साहेब का प्रवचन होगा। दूसरे दिन 25 जनवरी, रविवार को सुबह 10 बजे से मेधावी छात्रों का सम्मान तथा अतिथि द्वारा मोटीवेशन कार्यक्रम रखा गया है। इसके अंतर्गत कु. रोशनी सोनकर, भारती निषाद, कुमकुम सोनकर, गीतांश साहू, रितिका साहू, तुल्जा हिरवानी, रितिक निषाद, राशि साहू, कु. प्रीति, दीपक कुमार तथा डेमन पटेल सहित अन्य छात्र छात्राओं का सम्मान किया जायेगा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर पुनः रणजीत साहेब तथा संतों की अमृत वाणी का लाभ लेने का अवसर ग्रामीणों को प्राप्त होगा। आयोजन समिति द्वारा ग्रामीणों से बड़ी संख्या में सभी कार्यक्रमों में उपस्थिति की अपील की गई है।

जगदगुरू शंकराचार्य को स्नान से रोकना भाजपा का हिन्दू विरोधी चरित्र : कांग्रेस

शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान

बेमेतरा। कांग्रेस ने प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शाही स्नान से रोके जाने और उनके साथ हुए दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की है। खुद को हिंदुओं का मसीहा बताने वाली भाजपा सरकार हिंदु संतों का अपमान कर रही है और आज हालात यह हैं कि शंकराचार्य को अपनी सुरक्षा को

लेकर गंभीर आशंका है और पिछले 36 घंटे से अनशन पर बैठने को मजबूर होना पड़ा हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक शंकराचार्य से बातचीत का कोई प्रयास नहीं किया गया। शंकराचार्य जी का अपमान सनातन धर्म का अपमान है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पिछले 40 वर्षों से नियमित रूप से शाही स्नान करते आ रहे हैं और यह पहली बार है जब उन्हें इस अखंड धार्मिक परंपरा से रोका गया है। उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या का शाही स्नान एक अखंड परंपरा है, भाजपा सरकार ने शंकराचार्य जी को स्नान से रोक कर सनातन परंपरा का अपमान किया है। भाजपा सरकार पिछले 12 वर्षों से केंद्र में सत्ता में है और हिंदुओं के नाम पर राजनीति करती रही है, लेकिन आज वही सरकार शंकराचार्य एवं उनके समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार कर रही है, उनके शिष्यों को बाल पकड़कर घसीटा जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि शाही स्नान जैसी सदियों पुरानी परंपरा को रोकने का दुस्साहस किसी सरकार को कैसे हुआ, जबकि इस परंपरा को न मुगलों ने रोका था और न ही अंग्रेजों ने। एक ओर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को जेड-प्लस सुरक्षा दी जाती है, वहीं दूसरी ओर शंकराचार्य के समर्थकों के साथ मारपीट की जाती है। शंकराचार्य को उनकी पालकी पर जाने तक की अनुमति नहीं दी जाती। उन्होंने सवाल किया कि क्या मोहन भागवत शंकराचार्य से बड़े हो गए हैं? शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अपराध केवल इतना है कि वे कमियों पर सवाल उठाते हैं, सरकार की आलोचना करते हैं, अयोध्या में आधे-अधूरे राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर आपत्ति जताते हैं, महाकुंभ में अव्यवस्थाओं और कोविड काल के दौरान गंगा में तैरती लाशों का उल्लेख करते हैं।

बेमेतरा में बसों का अवैध संचालन, प्रशासन की चुप्पी से बढ़ रहा हादसों का खतरा

बेमेतरा। बेमेतरा में कई बसों का नियम कानून को ताकत में रखकर अवैध रूप संचालन बेधड़क हो रहा है जिस पर प्रशासन की चुप्पी से हादसों का खतरा बढ़ रहा है। बेमेतरा जिला मुख्यालय में परिवहन व्यवस्था पूरी तरह से अव्यवस्था और अवैध संचालन की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। बेमेतरा से प्रयागराज नागपुर पुणे के लिए प्रतिदिन बसों का संचालन किया जा रहा है, जिसे नियमानुसार बस स्टैंड पर से रवाना होना चाहिए लेकिन ये बसें निर्धारित बस स्टैंड के बजाय मुख्य मार्ग कवर्धा-रायपुर रोड पर बस स्टैंड के बाहर 1 से 1.5 घंटे तक खड़ी रहती हैं, जिसके तरफ अभी तक प्रशासन की नजर नहीं आता परिणामस्वरूप दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा बस ऑपरेटरों को कई बार मौखिक सूचना दी गई, इसके बावजूद बसें पुराने बस स्टैंड के पास लंबे समय तक खड़ी कर सवारी भरी जाती हैं। हैरानी की बात यह है कि अब तक प्रशासन या परिवहन विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

मनमानी ढंग से लिया जा रहा है यात्री किराया

सूत्रों के अनुसार, बसों में 80 से 90 यात्रियों को क्षमता से कहीं अधिक भरकर भेड़-बकरी की तरह लंबी दूरी एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जा रहा है। इससे यात्रियों की जान जोखिम में डाली जा रही है। वहीं बेमेतरा में सबसे बड़ी लूट कसूर का धंधा भी बस संचालन के पीछे चल रहा है इस संबंध में बताया जाता है कि नागपुर या पुणे के लिए चल रहे बसों में यात्रियों से यात्री किराया के रूप में अपने मनमानी ढंग से किराया वसूल करते हैं जहां पर 800 लेना होता है वहां पर किसी से 1200 किसी से 1400 लिया जाता है। स्लीपर देने के मामले में भी लोगों से भारी भरकम राशि वसूली की जाती है। इस संबंध में ना तो जिला प्रशासन के द्वारा कोई कार्रवाई होती और ना ही आरटीओ के द्वारा इस संबंध में कभी यात्रियों से कभी बात करने की जरूरत महसूस किया जाता परिणाम यात्रियों से यात्री किराया के नाम पर लूट खसोट बिंदास जारी है। इस के अलावा यह भी आरोप है कि कई बसें बिना वैध परमिट और फिटनेस प्रमाणपत्र के सड़कों पर दौड़ रही हैं। कुछ बस ऑपरेटर एक बार 90,000 जमा कराकर ऑल इंडिया परमिट तो ले लेते हैं, लेकिन उसके बाद 5 साल तक टैक्स और नियमों का पालन नहीं करते। यह भी आरोप है कि रायपुर कवर्धा रूट पर प्रति घंटे बसें चलाई जा रही हैं, जबकि कई बसों के दस्तावेज अधूरे या अमान्य हैं।

कोरोना काल की छूट का दुरुपयोग

कोरोना काल के दौरान आरटीओ द्वारा दिए गए के.के. फॉर्म और एम. फॉर्म की सुविधाओं का जमकर दुरुपयोग किया गया। आरोप है कि इसी का फायदा उठाकर बसों का संचालन जारी रखा गया और सरकार को लाखों रुपये के टैक्स का नुकसान हुआ।

एक परमिट, कई बसें

सूत्र बताते हैं कि कुछ ऑपरेटर एक ही परमिट (88.8) के आधार पर 2 से 3 बसें चला रहे हैं, लेकिन परिवहन विभाग आंख मूंदे बैठा है यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि कई बस वाले कई बसों का परमिट तो ले लिए हैं लेकिन गाड़ियों को नियमित रूप से संचालित नहीं करते इससे जहां एक तरफयात्रियों को परेशानी होती है वहीं दूसरे तरफ लोग इसको लेकर आक्रोशित भी नजर आते हैं कि जब परमिट लिया जा चुका है तो संचालन क्यों नहीं होता। वहीं बस संचालकों की मनमानी भी इसमें साफ नजर आती है। लोगों का इस संबंध में कहना है कि जब बस परमिट लेने वाला बस संचालन नहीं कर पा रहा है तो उसे परमिट को तत्काल निरस्त करके किसी और बस वाले को परमिट दिया जाए ताकि लोगों को आने जाने में किसी भी तरह की कोई परेशानी ना हो।

कार्रवाई शून्य

सबसे गंभीर सवाल यह है कि इस संबंध पूरे मामले में शासन-प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की जाते इस संबंध लोग तो यहां तक कह देते हैं कि अवैध बस संचालन में कार्रवाई नहीं होने के पीछे भी सांठ गांठ आरटीओ और बस ऑपरेटरों की मिलीभगत के कारण ही नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। लेकिन क्या किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही प्रशासन जागेगा? यात्रियों की जान की कीमत पर चल रहे इस अवैध कारोबार पर कब लगेगी लगाम? बेमेतरा की जनता प्रशासन से तत्काल जांच और सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

जिला शिक्षा कार्यालय आगजनी पर कांग्रेस का हमला, दीपक बैज बोले साजिश के तहत जलाए गए दस्तावेज

रायपुर। रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आग लगने की घटना को लेकर सियासत गरमा गई है। आग लगने के बाद कार्यालय भवन को तोड़े जाने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इस पूरी घटना को सुनियोजित षड्यंत्र बताते हुए कहा कि आग जानबूझकर लगाई गई है, ताकि महत्वपूर्ण दस्तावेज नष्ट किए जा सकें। दीपक बैज के अनुसार, आग में जली फाइलों में कई अहम वित्तीय रिकॉर्ड और नियुक्तियों से जुड़े दस्तावेज शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच शुरू होने से पहले ही भवन को गिरा देना भ्रष्टाचार को दबाने की कोशिश है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह मामला पारदर्शी जांच की मांग करता है, ताकि सच्चाई सामने आ सके। इसी दौरान मीडिया से बातचीत में दीपक बैज ने दिल्ली में सांसद बृजमोहन अग्रवाल के आवास पर हुई तथाकथित डिनर डिप्लोमेसी पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि बृजमोहन अग्रवाल भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और उन्होंने समय-समय पर सरकार की गलत नीतियों, भ्रष्टाचार और हाल ही में जम्बूरी घोटाले जैसे मुद्दों को उठाया है। ऐसे में सरकार का बैकफुट पर आना स्वाभाविक है। बैज ने आरोप लगाया कि दिल्ली में उनके निवास पर नेताओं का एकत्र होना नई रणनीति और नई चाल की तैयारी का संकेत देता है। मीडिया से चर्चा के दौरान कांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला भी मौजूद रहे।

बस्तर की इमली चटनी को राष्ट्रीय पहचान दिलाएंगी सुकमा की महिलाएं

रायपुर। बस्तर में इमली की चटनी को काफी पसंद किया जाता है द्य यह चटनी खाने में बहुत स्वादिष्ट होती है द्य सुकमा जिले में स्थानीय संसाधनों के उपयोग और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में बस्तर की प्रसिद्ध इमली से तैयार इमली चटनी को वन धन विकास केंद्र सुकमा के माध्यम से आधिकारिक रूप से लॉन्च किया जा रहा है। यह उत्पाद स्थानीय वनोपज का मूल्य संवर्धन करने के साथ-साथ बस्तर की पारंपरिक पहचान को राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने का प्रयास है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा किए गए अनुसंधान और गुणवत्ता मानकों के आधार पर यह चटनी तैयार की जा रही है। वन धन विकास केंद्र से जुड़ी नवा बिहान महिला स्व सहायता समूह की महिलाएँ इस चटनी के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं को निर्माण प्रक्रिया, स्वच्छता मानक, वैज्ञानिक विधि तथा आधुनिक पैकेजिंग संबंधी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और समूह की महिलाओं में आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। बस्तर संभाग में इमली की अधिकता को देखते हुए यह पहल स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। इमली चटनी के उत्पादन से वनोपज संग्राहकों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा, जिससे बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ मिलेगा। वन विभाग की यह पहल महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और आजीविका संवर्धन की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

पिछड़ा वर्ग आयोग में विभिन्न शिकायतों की सुनवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में प्राप्त विभिन्न शिकायतों की सुनवाई आज आयोग के अध्यक्ष नेहरू राम निषाद एवं उपाध्यक्ष श्रीमती चन्द्रकान्ति वर्मा के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। सुनवाई में आयोग के सचिव संकल्प साहू एवं अनुसंधान अधिकारी श्रीमती अनिता डेकाटे उपस्थित रहे। सुनवाई के दौरान आयोग के समक्ष लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित पक्षों को निष्पक्ष रूप से अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान किया गया। आयोग के अध्यक्ष निषाद द्वारा शिकायत कर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए नियमों एवं अधिनियमों के अनुरूप न्यायसंगत निर्णय हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। आवेदक चन्द्रकुमार सोनकर के समेकित वेतन वृद्धि रोके जाने संबंधी प्रकरण में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा वर्ष 2018-19 की वेतन वृद्धि प्रदान किए जाने का आश्वासन दिया गया। आवेदक सुरेश कुमार यादव द्वारा प्रस्तुत सहायक प्राध्यापक भर्ती में आरक्षण उल्लंघन संबंधी शिकायत पर दोनों पक्षों का प्रतिपरीक्षण किया गया तथा शासन को विषयवार पद विज्ञापन जारी करने का सुझाव प्रेषित करने कहा। इसी प्रकार नरेश कुमार धीवर के प्रकरण में 60 दिवस के भीतर 1.80 लाख रूपए के भुगतान हेतु समझौतानामा निष्पादित किया गया। आवेदक रामशंकर साहू एवं शैलेश कुमार स्वर्णकार द्वारा प्रस्तुत शिकायत के संबंध में अनावेदक अधीक्षण अभियंता एस.एस. भूपल द्वारा उपस्थित होकर पक्ष रखा गया। अनावेदक द्वारा यह बताया गया कि दोनों आवेदक शासन के आदेशानुसार किए गए स्थानांतरण से असंतुष्ट होकर उनके विरुद्ध निराधार एवं बेबुनियाद शिकायत प्रस्तुत कर रहे हैं।

शहीद गैंदसिंह के नाम पर चौक, मूर्ति स्थापना और सामाजिक केंद्रों की घोषणा

छत्तीसगढ़ की धरती जनजातीय शौर्य और बलिदान की साक्षी

■ मुख्यमंत्री शहीद शिरोमणि गैंदसिंह के 201वें शहादत दिवस एवं श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज के तत्वावधान में साइंस कॉलेज ग्राउंड रायपुर में आयोजित शहीद शिरोमणि गैंदसिंह के 201वें शहादत दिवस एवं श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने महान जनजातीय नायक एवं स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत शहीद गैंदसिंह का पुण्य स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद गैंदसिंह के सम्मान में नया रायपुर में चौक के नामकरण एवं मूर्ति स्थापना, चंगोराभाटा स्थित समाज के सामुदायिक भवन के जीर्णोद्धार, तथा बालोद जिले के देवरी, कांकेर जिले के मरकाटोला, दानीटोला, नगरी, डोंगरगांव एवं बस्तर जिले के भानपुरी तथा करूटोला में हल्बा समाज के सामाजिक केंद्रों के निर्माण हेतु प्रत्येक स्थान के लिए 10-10 लाख रुपये प्रदान किए जाने की घोषणा की। इसके साथ ही ग्राम कितूर में रंगमंच निर्माण तथा चपका बस्तर में श्रीराम मंदिर के जीर्णोद्धार की भी घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली और समृद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि देश में स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत भले ही वर्ष 1857 से मानी जाती है, किंतु उससे बहुत पहले ही छत्तीसगढ़ की धरती पर जनजातीय क्रांतियों की गूंज सुनाई देने लगी थी। महान क्रांतिकारी शहीद गैंदसिंह अंग्रेजी हुकूमत से संघर्ष करते हुए वर्ष 1825 में शहीद हुए, और उस कालखंड में भी आदिवासी समाज ने आजादी की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में एक-दो नहीं बल्कि कुल 14 जनजातीय क्रांतियां

हुईं, जिन्होंने अंग्रेजों की सत्ता की नींव हिला दी। यह धरती शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदसिंह और वीर गुण्डाधुर जैसे महान जननायकों की भूमि रही है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश इन वीरों और जनजातीय नायकों को लंबे समय तक इतिहास के पन्नों में उचित स्थान नहीं मिला। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय नायकों के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हुई 14 जनजातीय क्रांतियों पर आधारित ट्राइबल म्यूजियम नया रायपुर में निर्मित किया गया है, जिसका लोकार्पण स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। इस संग्रहालय में इन सभी क्रांतियों का सचित्र विवरण एवं गहन जानकारी प्रस्तुत की गई है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि सभी लोग इस म्यूजियम का अवश्य अवलोकन करें, ताकि छत्तीसगढ़ की बलिदानी धरती में जनजातीय नायकों के योगदान को भली-भांति समझा जा सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज देश के सर्वोच्च पद पर जनजातीय समाज की बेटी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आसीन हैं और छत्तीसगढ़ प्रदेश का नेतृत्व भी जनजातीय समाज के बेटे के हाथों में है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए। उनके नेतृत्व में जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया गया, जो आज हजारों करोड़ रुपये के बजट के साथ जनजातीय समाज के विकास को नई दिशा दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय ऐतिहासिक है। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना एवं प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से जनजातीय समाज के कल्याण की नई इबारत लिखी जा रही है। जनजातीय बहुल क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य राज्य सरकार द्वारा प्राथमिकता से किया जा रहा है।

---

200 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ दर्ज, 11राज्यों से पहुँचे प्रतिभागी

■ वन मंत्री केदार कश्यप ने बताया पक्षियों के संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण पहल

रायपुर। संवाददाता

बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य में छत्तीसगढ़ की पक्षी-विविधता का वैज्ञानिक आंकलन, नागरिक वैज्ञानिकों की भागीदारी को बढ़ावा देना और संरक्षणङ्कउन्मुख दीर्घकालिक डाटा तैयार किया जा रहा है द्य बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य की पारिस्थितिकी इस अध्ययन के लिए विशेष रूप से अनुकूल मानी जा रही है द्य यहां घने वन, विस्तृत घासभूमियां, दलदली क्षेत्र और मिश्रित वुडलैंड जैसे विविध परिदृश्य मौजूद हैं, जिनमें प्रवासी और स्थानीय दोनों तरह की पक्षी प्रजातियां बड़ी संख्या में पाई जाती हैं। बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य में 16 से 18 जनवरी 2026 तक आयोजित बर्ड सर्वे 2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। देश के 11 राज्यों महाराष्ट्र, ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, केरल और कर्नाटक से आए प्रतिभागियों ने इस सर्वे में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। यह सर्वे केवल अभ्यारण्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आसपास के कोठारी, सोनाखान एवं देवपुर परिक्षेत्रों में भी आयोजित किया गया। सर्वे संचालन को सुचारु रखने के लिए प्रतिभागियों को 27 अलग-अलग स्थानों पर ठहराया गया। लगभग 100 लोग , जिसमें 70 प्रतिभागी, 12 वॉलंटियर्स, विशेषज्ञ एवं फोटोग्राफर्स शामिल हैं जो इस अभियान का हिस्सा बने।अब तक प्राप्त प्रारंभिक डेटा के अनुसार सर्वे में 202 पक्षी प्रजातियों का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। अंतिम संकलन के बाद यह संख्या और बढ़ने की संभावना है। विशेष रूप से बार-हेडेड गूज, ग्रे-हेडेड लैपविंग, पेरेग्रिन फाल्कन, ब्लू-कैप्ड रॉक थ्रश, यूरेशियन स्पैरोहॉक, ऑरेंज-ब्रेस्टेड ग्रीन पिजन जैसी उल्लेखनीय प्रजातियों का अवलोकन प्रतिभागियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

ट्रैक्टर चोरी के मामले में नाबालिग समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की गैंदाटोला थाना पुलिस तथा सायबर सेल की टीम ने एक घर के सामने से ट्रैक्टर चोरी करने वाले एक नाबालिग समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 14.01.2026 को प्रार्थी जीवनलाल पटेल निवासी खुर्सीपार, थाना गैंदाटोला, जिला राजनांदगांव द्वारा थाना गैंदाटोला में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनके घर के सामने खड़ा स्वराज 735 ट्रैक्टर क्रमांक छ्त्र 08.रु 8685 जिसकी कीमती 3,50,000 रूपये को, रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया है। जिसकी रिपोर्ट पर थाना गैंदाटोला में धारा 303(2), 3(5) बी.एन.एस. के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन।

भाजपा प्रवक्ता ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से की मुलाकात

एसआईआर के लिए समय सीमा 31 जनवरी तक बढ़ाया जाना आवश्यक

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने यहाँ राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर एस.आई.आर. प्रक्रिया में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6 ,, दावा-आपत्ति एवं फॉर्म-7 प्रस्तुत करने में अवरोध एवं अनियमितता की शिकायत की है। डॉ. मिश्रा ने संविधान, लोक प्रतिनित्व अधिनियम एवं अन्य सुसंगत प्रावधानों की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर दावा-आपत्ति हेतु फार्म प्रस्तुत किए जाने की समय सीमा 31, जनवरी 2026 तक बढ़ाने का आग्रह किया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा द्वारा सौंपे गए पत्र

में कहा गया है कि एस.आई.आर. प्रक्रिया के प्रक्रम में ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशन उपरान्त एवं आदेश दिनांक 24, जून 2025 तथा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार भाजपा द्वारा नियुक्त बी.एल.ए. एवं मतदाताओं द्वारा दावा आपत्ति हेतु फॉर्म-7 प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है, किंतु यह शिकायत प्राप्त हो रही है कि आयोग द्वारा नियुक्त ई.आर.ओ. एवं बी.एल.ओ. या तो फॉर्म-7 लेने से ही इंकार कर रहे हैं या निराधार एवं मनगढन्त कारणों से फॉर्म-7 निरस्त कर रहे हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि इस आशय की भी विभिन्न शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि दावा-आपत्ति केंद्रों में नियुक्त बी.एल.ओ. न तो उपलब्ध रहते हैं और न ही बी.एल.ओ. घर-घर जाकर प्राप्त दावा-आपत्ति का सत्यापन कर रहे हैं। दावा आपत्ति केंद्रों में बी.एल.ओ. के पास फॉर्म-7 उपलब्ध ही नहीं हैं जिस कारण मतदाता को दावा-आपत्ति का अवसर प्राप्त नहीं हो रहा है और दावा-आपत्ति निराधार रूप से खारिज की जा रही है। इससे पात्र मतदाताओं का नाम जुड़ नहीं पा रहा है तथा अपात्र मतदाताओं का नाम कट नहीं पा रहा है।

यूपीआई से ऑनलाईन लाखों की चोरी करने वाला चोर पकड़ाया....

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर की आजाद चौक थाना पुलिस ने यूपीआई के माध्यम से ऑनलाईन लाखों रूपये चोरी करने वाले शातिर आरोपी आयुष डागा को गिरफ्तार किया है। आरोपी आयुष पूर्व में भी चोरी के लगभग एक दर्जन प्रकरणों में रायपुर सहित अन्य राज्यों में जेल निरूद्ध रह चुका है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया निवासी आजाद चौक रायपुर ने थाना आजाद चौक में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह दिनांक 13.01.2026 को प्रात: ट्रेन से रायपुर रेलवे स्टेशन में उतरकर अपने घर जाने हेतु आटो में बैठी घर पहुंचने के उपरांत वह अपने पिट्ठू बैंग के साईड पाकेट में देखी तो उसका मोबाईल फोन नहीं था। प्रार्थिया द्वारा अपने गुम हुये मोबाईल नंबर को बंद कराकर पुन: उसी नंबर का सिम प्राप्त कर चालू कराने पर उसके मोबाईल फोन में उसके बैंक खाता से 5,000 रूपये आहरण होने का मैसेज आया। जिस पर प्रार्थिया अपने खाते का स्टेटमेंट निकालकर देखी तो उसके बैंक खाते से कोई अज्ञात आरोपी यू पी आई के माध्यम से अलग-अलग किश्तों में दिनांक 13.01.2026 से 16.01.2026 के मध्य कुल 2,26,562 रूपया निकाल लिया था। कोई अज्ञात आरोपी प्रार्थिया के बैग के साईड जेब में रखे मोबाईल फोन को चोरी कर उसके बैंक खाते से यू पी आई के माध्यम से कुल 2,44,562 रूपये चोरी कर लिया, कि प्रार्थिया की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना आजाद चौक में अपराध क्रमांक 16/26 धारा 303(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी आजाद चौक के नेतृत्व में थाना आजाद चौक पुलिस की टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थिया से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा प्रार्थिया के बतायेनुसार उसके आने वाले मार्गो में लगे सी.सी.टी.कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही आटो के संबंध में भी जानकारी एकत्र किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा यू.पी.आई. की जानकारी प्राप्त कर अज्ञात आरोपी संबंध में तकनीकी विश्लेषण करते हुये आरोपी को चिन्हांकित करने में सफलता मिली तथा आरोपी की पहचान हीरापुर कबीर नगर रायपुर निवासी आयुष डागा के रूप में करते हुये उसकी पतासाजी कर उसे पकड़ा गया।

नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह, रायपुर में जश्न का माहौल

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के सर्वसम्मति से पदभार ग्रहण करने के बाद रायपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में जोश और उत्साह का माहौल देखने को मिला। पार्टी के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर और जिला कार्यालय एकात्म परिसर में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़े बजाकर और आतिशबाजी कर इस अवसर को धूमधाम से मनाया। भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव है और उनके कुशल नेतृत्व में पार्टी ने कई चुनौतियों का सामना करते हुए कांग्रेस की राज्य सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने में सफलता हासिल की। कार्यकर्ताओं का कहना है कि नबीन के संगठनात्मक अनुभव से भाजपा को नई दिशा मिलेगी और जिन राज्यों में पार्टी कमजोर है, वहां भी कमल खिलाने में यह नेतृत्व मददगार साबित होगा। जश्न में प्रदेश मंत्री यशवंत जैन, डॉ. नवीन मार्कण्डेय, कैबिनेट मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, राजेश अग्रवाल, लक्ष्मी रजवाड़े, विधायक सुनील सोनी, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, प्रदेश मंत्री जयंती पटेल, संध्या परगनिहा, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने, उज्जवल दीपक, रायपुर शहर प्रभारी राजेन्द्र शर्मा।

जिले में छिंद के पेड़ों से बदल रही दीदियों की किस्मत......

■ सुकमा की नई मिठास बिहान बना रहा आत्मनिर्भर

■ औषधीय गुणों से भरपूर छिंद गुड़ की बाजार में कीमत लगभग 350 रुपये प्रति किलोग्राम है

रायपुर/ संवाददाता

वनांचल क्षेत्रों में अब तक छिंद के पेड़ों का उपयोग केवल रस (पेय) के रूप में किया जाता रहा है, जिससे ग्रामीणों को सीमित आय ही प्राप्त होती थी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुकमा जिले के कोंटा विकासखण्ड के ग्राम सामसेट्टी में इस परंपरागत संसाधन को आजीविका का सशक्त माध्यम बनाने की अभिनव पहल की गई है। नियद नेल्ला नार कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के माध्यम से महिलाएं अब छिंद के रस से गुड़ का निर्माण कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। सामान्यत: बस्तर एवं सुकमा अंचल में आजीविका का मुख्य साधन धान की खेती एवं लघु वनोपज संग्रहण रहा है। धान की एकमात्र फसल होने के कारण वर्ष के शेष समय रोजगार के अवसर सीमित रहते थे। इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए छिंद गुड़ निर्माण का नवाचार प्रारंभ किया गया। ग्राम सामसेट्टी की दंतेश्वरी महिला स्व-सहायता समूह की 10 दीदियों ने इस पहल को अपनाया और दंतेवाड़ा से आए विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त किया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से इस गतिविधि से महिलाओं के कौशल विकास के साथ-साथ उनकी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। इस पहल से प्रति परिवार औसतन 6 से 7 हजार रुपये की अतिरिक्त मासिक आय होगी। औषधीय गुणों से भरपूर छिंद गुड़ की बाजार में कीमत लगभग 350 रुपये प्रति किलोग्राम है। इससे पहले अनुपयोगी माने जाने वाले छिंद के पेड़ अब ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण का आधार बन रहे हैं। नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत पहल इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय संसाधनों को आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया जा सकता है। सामसेट्टी की दीदियों की सफलता से प्रेरित होकर अब अन्य महिलाएं भी इस गतिविधि से जुड़ने के लिए आगे आ रही हैं। छिंद की यह मिठास अब सुकमा के विकास की नई कहानी लिख रही है।

छत्तीसगढ़ की कला आयरलैंड तक पहुँची

डबलिन में छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की गूंज

■ छत्तीसगढ़ की कला आयरलैंड तक पहुँचना गौरव का विषय : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर/ संवाददाता

आयरलैंड की राजधानी डबलिन में भारत की सांस्कृतिक विविधता की एक सशक्त झलक देखने को मिली, जब स्टेट कल्चरल इवेंट सीरीज़ के तहत भारतीय दूतावास, डबलिन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य पर केंद्रित भव्य सांस्कृतिक आयोजन का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आयरलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय के सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्घाटन आयरलैंड में भारत के राजदूत श्री अखिलेश मिश्रा द्वारा किया गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय परंपराओं

और राज्य की विशिष्ट पहचान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारत की विविधता को वैश्विक मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करते हैं। आयोजन के दौरान छत्तीसगढ़ पर आधारित एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें राज्य की कला, संस्कृति, परंपरा और विकास यात्रा को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के पारंपरिक हस्तशिल्प की प्रदर्शनी ने आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित किया, जहाँ राज्य की कारीगरी की बारीकी और सौंदर्य को सराहा गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में पारंपरिक वेशभूषा में प्रस्तुत लोक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। कलाकारों की जीवंत प्रस्तुतियों ने छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की आत्मा को आयरलैंड की धरती तक पहुँचा दिया और दर्शकों से भरपूर प्रशंसा प्राप्त की। कार्यक्रम का समापन छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों के साथ हुआ, जिसने उपस्थित अतिथियों को राज्य की स्वादिष्ट पाक-परंपरा से परिचित कराया। कुल मिलाकर यह आयोजन छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और पहचान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल साबित हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि आयरलैंड की राजधानी डबलिन में आयोजित छत्तीसगढ़ केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति और परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई है। उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि प्रदेश की लोकसंस्कृति अब वैश्विक दर्शकों तक पहुँच रही है।

संपादकीय

आवारा कुत्ते, लापरवाह सिस्टम और डर में जीते लोग

देश में आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं अब आम लोगों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए गली-मोहल्लों में सड़क पर चलना खतरे से खाली नहीं है। पिछले कई वर्षों से यह मसला सत्ता के गलियारों से लेकर सड़क तक उठता रहा है, लेकिन इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। हालांकि, केंद्र और राज्य सरकारों के स्तर पर आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, लेकिन नतीजा 'ढाक के तीन पात' जैसा ही है।यही वजह है कि मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय को यह कहना पड़ा कि कुत्ते के काटने की घटनाओं में राज्यों को भारी मुआवजा देने के निर्देश दिए जाएंगे, क्योंकि पिछले पांच वर्षों में आवारा पशुओं से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए। साथ ही यह भी कहा कि कुत्तों को सड़क पर भोजन खिलाने वालों को भी जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराया जाएगा। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी को इसलिए महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इस संकट से निपटने के लिए न तो राज्य सरकारों की ओर से प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं और न ही कुत्तों को सड़क पर भोजन परोसने पर रोक लग पाई है।केंद्रीय पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की तरफ से पिछले वर्ष जारी आंकड़ों पर गौर करें, तो देश में जनवरी 2024 से लेकर दिसंबर तक कुत्ते के काटने के सैंतीस लाख से अधिक मामले सामने आए। इनमें पांच लाख से ज्यादा मामले पंद्रह साल से कम उम्र के बच्चों के थे। जबकि कुत्ते के काटने से करीब सैंतीस लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर मामले रेबीज संक्रमण के थे। इन आंकड़ों से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। इस समस्या से निजात पाने का सरल एवं प्रभावी उपाय आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करना माना जाता है। इसके लिए विभिन्न राज्यों में टीकाकरण के जरिए कुत्तों का बंध्याकरण करने का कार्यक्रम शुरू किया गया था, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही और इच्छाशक्ति के अभाव में यह मुहिम कागजों में ही दम तोड़ती नजर आ रही है। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ रही है और इंसानों को काटने की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है।शीर्ष अदालत ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पिछले दिनों आक्रामक आवारा कुत्तों को सड़क से हटाकर आश्रय स्थलों में रखने का निर्देश दिया था। साथ ही गली-मोहल्लों में कुत्तों को सड़क पर भोजन नहीं परोसने की हिदायत भी दी थी। मगर पशु प्रेमियों को यह फैसला रास नहीं आया और यह मामला फिर से सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गया।इसमें दोराय नहीं है कि आवारा कुत्तों को सुरक्षित और खुला वातावरण मिलना चाहिए, लेकिन इस बात को भी समझना जरूरी है कि मानव सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने भी यह सवाल उठाया है कि अगर पशु प्रेमियों को आवारा कुत्तों से लगाव है, तो वे उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते? दरअसल, कुत्तों को सड़क पर भोजन परोसे जाने से वे वहीं आसपास घूमते रहते हैं और स्थानीय लोगों को काटते और डराते हैं। ऐसे में इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि सरकार और समाज के सामूहिक प्रयासों से ही इस समस्या से निपटने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

राजस्थान के अब तक के मुख्यमंत्रियों का शासन बहुआयामी अनुभवों से भरा रहा है, जिसमें प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक न्याय, विकासात्मक प्राथमिकताओं और राजनीतिक स्थिरता-इन सभी के विविध रूप देखने को मिलते हैं। हीरालाल शास्त्री और जय नारायण व्यास जैसे प्रारंभिक मुख्यमंत्रियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक ढांचे की नींव रखी।

भजन-राज' यानी 'भरोसे के शासन' में राजस्थान के नये आयाम

(ललित गर्ग)

राजस्थान की राजनीति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हालिया दौरा किसी औपचारिक कार्यक्रम या शिष्टाचार भर तक सीमित नहीं था, वह एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत, एक भरोसे की सार्वजनिक मुहर और एक स्थायित्व का उद्घोष था। जाते-जाते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाकर अमित शाह ने यह जता दिया कि प्रदेश की कमान अब पूरी तरह ऐसे नेतृत्व के हाथों में है, जिस पर केंद्रीय आलाकमान को केवल विश्वास ही नहीं, बल्कि गहरा संतोष भी है। जिसे कभी राजनीतिक गलियारों में 'सरप्राइज पैकेज' कहकर देखा गया था, वही नेतृत्व आज राजस्थान की स्थिरता, सुशासन और भविष्य की ठोस नींव के रूप में स्थापित हो चुका है और राजस्थान की स्वर्णगाथा लिखने को तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक विशिष्ट और लगातार सफल रहा प्रयोग यह रहा है कि वे सत्ता और संगठन में नए चेहरों को निर्णायक जिम्मेदारियां सौंपने से नहीं हिचकते। पर्दे के पीछे वर्षों तक ईमानदारी और निष्ठा से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अचानक मुख्यमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष या राज्यपाल जैसे पदों पर आसीन करना मोदी की राजनीतिक शैली का साहसिक पक्ष रहा है। इन निर्णयों ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि राजनीति में अनुभव के साथ-साथ चरित्र, प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निष्ठा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना भी ऐसा ही एक निर्णय था, जिसने आरंभ में अनेक लोगों को आश्चर्य में डाला। किंतु समय ने सिद्ध कर दिया कि यह निर्णय भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक समझ और दूरदृष्टि पर आधारित था।

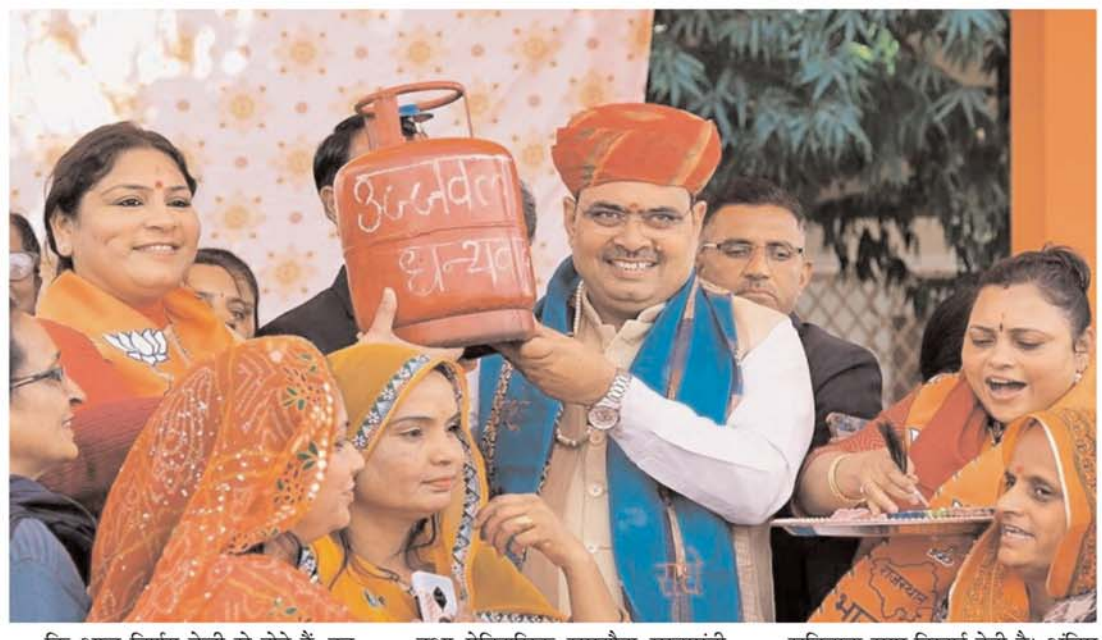

मुख्यमंत्री पद संभालते ही भजनलाल शर्मा ने यह साफ कर दिया कि वे सत्ता को साधन मानते हैं, साध्य नहीं। उनका एजेंडा कुर्सी बचाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था बदलने का है। राजस्थान लंबे समय तक गुटीय राजनीति, शक्ति-संतुलन और पर्दे के पीछे चलने वाले समीकरणों से जूझता रहा है। सत्ता के भीतर ही सत्ता को चुनौती देने वाली प्रवृत्तियां यहां सामान्य रही हैं। भजनलाल शर्मा ने बिना किसी टकराव, बिना शोर-शराबे और बिना किसी को अपमानित किए, इन सभी प्रवृत्तियों को धीरे-धीरे अप्रासंगिक कर दिया। उन्होंने शासन को व्यक्ति-केंद्रित नहीं, बल्कि प्रणाली-केंद्रित बनाया। यही कारण है कि आज निर्णय तेजी से होते हैं, उन पर अमल भी होता है और उनकी जवाबदेही भी तय होती है। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान 'जीरो टॉलरेंस' की नीति है, जो केवल कागजों या भाषणों तक सीमित नहीं रही। विशेष रूप से पेपर लीक माफिया के खिलाफ की गई कार्रवाई ने सरकार की मंशा और मुख्यमंत्री के साहस को स्पष्ट रूप से उजागर किया। वर्षों से यह माफिया लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता रहा, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते उस पर हाथ डालने का साहस कोई नहीं कर पाया। भजनलाल शर्मा ने सत्ता संभालते ही इस समस्या को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया। एसआईटी के गठन, त्वरित जांच, बड़े नामों की गिरफ्तारी और बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, परिणामों में विश्वास रखती है। इससे न केवल युवाओं का भरोसा लौटा, बल्कि यह संदेश भी गया कि अब राजस्थान में कानून से बड़ा कोई नहीं है।

इसी प्रकार, दशकों से प्यास से जूझ रहे राजस्थान के लिए ईआरसीपी परियोजना पर मध्य प्रदेश के साथ हुआ ऐतिहासिक समझौता मुख्यमंत्री की राजनीतिक परिपक्वता और संवाद क्षमता का प्रमाण है। जिस योजना को वर्षों तक केवल चुनावी वादों और फाइलों में उलझाकर रखा गया था, उसे उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग और पड़ोसी राज्य के साथ सकारात्मक संवाद के जरिए वास्तविकता में बदलने का मार्ग प्रशस्त किया। यह निर्णय बताता है कि भजनलाल शर्मा टकराव की राजनीति के बजाय समाधान की राजनीति में विश्वास रखते हैं। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी उनकी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध और अपराधियों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपराधियों में कानून का भय-ये सभी कदम इस बात के प्रमाण हैं कि राज्य में सत्ता का इकबाल लौट रहा है। आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है और अपराधी खुद को असुरक्षित। यह सुशासन का सबसे ठोस संकेत होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकसित भारत' की संकल्पना को राजस्थान में जमीन पर उतारने में भी मुख्यमंत्री की सक्रियता स्पष्ट दिखाई देती है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचें, यह केवल नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता बनी है। फैसलों में स्पष्टता, गति और निष्पक्षता-इन तीनों का संतुलन उनकी कार्यशैली को विशिष्ट बनाता है। यही कारण है कि विपक्ष भी आज ठोस आलोचना के बिंदु खोजने में असहज नजर आता है। भजनलाल शर्मा के शासन की चर्चा करते समय उनके चारित्रिक और व्यक्तिगत गुणों का उल्लेख अत्यंत आवश्यक है। राजनीति में जहां दिखावा, आडंबर और अहंकार आम बात हो चली है, वहीं भजनलाल शर्मा अपनी सरलता, सहजता और सादगीपूर्ण जीवनशैली के लिए पहचाने जाते हैं। सत्ता में आने के बाद भी उनके व्यवहार, भाषा और जीवन-शैली में कोई कृत्रिम बदलाव नहीं आया। वे निर्णय लेते समय दृढ़ होते हैं, लेकिन संवाद में विनम्र रहते हैं। उनका राजनीतिक कौशल शोर में नहीं, बल्कि परिणामों में दिखाई देता है। वे जानते हैं कि कब कठोर होना है और कब संयम रखना है। यही संतुलन उन्हें भीड़ से अलग करता है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान और जनता के प्रति उत्तरदायित्व-ये सभी गुण उनके नेतृत्व को नैतिक आधार प्रदान करते हैं।

राजस्थान के अब तक के मुख्यमंत्रियों का शासन बहुआयामी अनुभवों से भरा रहा है, जिसमें प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक न्याय, विकासात्मक प्राथमिकताओं और राजनीतिक स्थिरता-इन सभी के विविध रूप देखने को मिलते हैं। हीरालाल शास्त्री और जय नारायण व्यास जैसे प्रारंभिक मुख्यमंत्रियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक ढांचे की नींव रखी। मोहनलाल सुखाड़िया का दीर्घकालीन शासन सिंचाई, पंचायतीराज और सामाजिक सुधारों के लिए स्मरणीय रहा, जिसे 'आधुनिक राजस्थान' की आधारशिला माना जाता है। बाद के वर्षों में हरिदेव जोशी, शिवचरण माथुर और अशोक गहलोत ने कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा-स्वास्थ्य और विकेंद्रीकरण पर बल दिया, जबकि भैरोंसिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के शासन में आधारभूत संरचना, औद्योगिक निवेश, सड़क-बिजली और प्रशासनिक सख्ती पर अधिक जोर दिखा। इन सबके तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाकृत नया होते हुए भी सुशासन, अनुशासन और डिलीवरी के संकल्प के साथ आगे बढ़ता दिखाई देता है। उनका फोकस प्रशासनिक चुस्ती, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, केंद्र-राज्य समन्वय और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर है। पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों के शासन जहाँ दीर्घ अनुभव और स्थापित नीतिगत पहचान के लिए जाने जाते हैं, वहीं भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाओं, परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति और नई कार्यशैली के परीक्षण के दौर में है। इस प्रकार राजस्थान की राजनीति में उनका कार्यकाल परंपरा और परिवर्तन-दोनों के बीच एक सेतु की तरह देखा जा सकता है, जहाँ पूर्व शासनों की उपलब्धियों से सीख लेकर भविष्य के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी शासन मॉडल गढ़ने का प्रयास परिलक्षित होता है।

समाजवाद के मुखर स्वर स्व. गुलाब सिंह

अशोक पंडा

ब्रिटेन के सबसे ज्यादा चर्चित चर्चित प्रधानमंत्री विस्टन चर्चिल ने कहा था कि वी मेक ए लिविंग बाई व्हाट वी गेट , बट वी मेक ए लाइफ बाई व्हाट वी गिव सरल हिन्दी में इसका भावार्थ यह है कि हम जो कमाते या पाते है उससे हमारा जीवन चलता है लेकिन हम जो देते है उससे हमारा जीवन सार्थक बनता है .इस बात को पैमाना मान कर कसौटी पर कसा जाए तो छत्तीसगढ़ के समाजवादी नेता स्व. गुलाब सिंह सौ टका खरे उतरते है . जिन्होंने अपने जीवन में जितना पाया उससे ज्यादा समाज को दिया है . औद्योगिक नगरी भिलाई के कर्मी के रूप में कर्तव्य के प्रति आजीवन ईमानदार रहे स्व. गुलाब सिंह, अपने मानवीय दायित्वों के प्रति भी उतने ही वफादार थे. समाजवादी आंदोलन के प्रणेता डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों से प्रभावित स्व. गुलाब सिंह के हृदय में प्रख्यात समाजवादी संत लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक श्री रघु ठाकुर के लिए गहरी आस्था थी .

विषमताओं को मिटाने और जनाधिकार बहाली के उद्देश्य छत्तीसगढ़ में होने प्रत्येक आंदोलन में , व्यवस्था के दमनात्मक हथकंडों से बेखौफ स्व. गुलाब सिंह बढ़ चढ़ कर हिस्सेदारी करते थे . उन्हें नौकरी जाने, जेल जाने, और अन्य यातनाओं से कभी भी कोई डर नहीं लगा.

बाबू साहब के नाम से प्रसिद्ध स्व. गुलाब सिंह की सिंह गर्जना , आंदोलनों में जान फूंक देती थी क्योंकि उनके साथियों को विश्वास था कि वक्त आने पर प्राण भले न त्यागने पड़े , बाबू साहब कदम कभी नहीं डगमगाएंगे. बाबू साहब के संघर्ष की यादें आज भी लोगो को प्रेरणा देती है.

आज जब , जन, जल , जंगल, जमीन जो कभी छत्तीसगढ़ की पहचान हुआ करते थे , आम जन से छीने जा रहे है , जन से रोजगार , आदिवासी को जल, जंगल , जमीन , से बेदखल किया जा रहा है . डॉ लोहिया द्वारा बोया बीज , श्री रघु ठाकुर द्वारा पोषित पौधा आज विशाल काय वृक्ष बन चुका है. लेकिन इजारेदारो की हवस उसे काटने पर आमादा है, बस्तर से सरगुजा तक के घने वनों जारी निर्मम कटाई, आदिवासी घरों और छोटे कारोबारियों तथा निर्धन जनों की बेदखली और भूगर्भ में छुपी बेशकीमती की लूट कभी शांति के टापू के नाम से मशहूर छत्तीसगढ़ में चिंता की सुलगती आर्थिक और सामाजिक विषमता की आग के बावजूद छाई खामोशी , बरबस स्व. गुलाब सिंह जैसे जियालों की कमी का एहसास कराती है . और लोगो को लगता है कि उनके बीच उनके बाबू साहब होते तो झंडे लेकर लोगों के बीच जन सम्मान की रक्षा के लिए मैदान में होते .और जड़ व्यवस्था को कुंभकर्णी नींद से जागने के लिए बराबरी और हकदारी का स्वर , सड़कों पर मुखर होता.

यूं स्व. गुलाब सिंह को गुजरे लंबा अरसा हो गया पर आज भी लोग उन्हें उसी श्रद्धा से याद करते है जैसे पहले करते थे. और करे भी क्यों न, स्व. गुलाब सिंह दोस्तो के दोस्त थे . भले बुरे हर वक्त साथ खड़े रहते थे . उनकी बरसी पर, जिनके हृदय में उनके लिए अथाह सम्मान है उन सभी लोगों की ओर से , विनम्र श्रद्धांजलि

अशोक पंडा
वरिष्ठ पत्रकार

बीएमसी में बीजेपी ने कैसे बजाई ठाकरे भाइयों की 'पुंगी'

मुंबई में बीजेपी और उसकी सहयोगियों की बड़ी जीत उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की निजी राजनीति के लिए बहुत बड़ा झटका है। उन्होंने क्षेत्रवाद का जो जहर बोने की कोशिश की थी, उसका उन्हें ही खामियाजा भुगतना पड़ा है। देश के कुछ राज्यों से भी बड़े बजट वाले बीएमसी से लंबे समय बाद ठाकरे परिवार का प्रभुत्व खत्म हो गया है। ठाकरे परिवार की सियासत के लिए बीएमसी का रोल कुछ उसी तरह का रहा है, जैसे मछलियों के लिए पानी। यही वजह है कि महाराष्ट्र में बीजेपी की अगुवाई वाली महायुति से मिल रही चुनौती ने वर्षों बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को बीएमसी चुनाव के लिए साथ आने को मजबूर कर दिया। इस चुनाव में बीजेपी गठबंधन की बड़ी जीत को कुछ विश्लेषक ठाकरे परिवार के राजनीतिक भविष्य से जोड़ रहे हैं। वास्तव में इस चुनाव नतीजे ने ठाकरे परिवार को वहां पर चोट मारी है, जहां से उसने सियासत की शुरुआत की थी।

(अंजन कुमार)

बीएमसी में ठाकरे भाइयों की बड़ी हार बीएमसी की 227 सीटों के लिए गुरुवार को हुई वोटिंग के दौरान एक सर्वे हुआ, जिससे पता चलता है कि इस चुनाव में बीजेपी और शिवसेना को किसने अधिक वोट दिए और शिवसेना (उद्धव ठाकरे), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना(एमएनएस) और एनसीपी(शरद पवार) पर किसने ज्यादा भरोसा जताया। इस सर्वे का जो नतीजा है, उसे परिमाण के साथ देखने से पता चलता है कि उद्धव और राज ठाकरे परिवार की राजनीति ही आखिरकार उन्हें अपने ही गढ़ में ले डूबी है।

मराठी वोटरों का ठाकरे भाइयों को साथ

एक्सिस माय इंडिया के सर्वे के अनुसार 'मराठी माणूस' की राजनीति करने वाली शिवसेना (यूबीटी) और सहयोगियों को इस समुदाय के सबसे ज्यादा वोट मिले हैं। 49 प्रतिशत मराठी वोटर इन्हीं के पक्ष में गए हैं, जबकि बीजेपी और सहयोगियों को 30 प्रतिशत मराठी मतदाताओं ने वोट दिया है। जबकि, कांग्रेस और सहयोगी सिर्फ 8 प्रतिशत मराठी वोटरों को रिझा सके। मराठी के अलावा ठाकरे भाइयों पर सबसे ज्यादा मुसलमानों ने भरोसा जताया है और इन्हें 28 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिले हैं। अलबत्ता कांग्रेस प्लस 41 प्रतिशत मुस्लिम वोट के साथ इस रेस में सबसे आगे है। जबकि, बीजेपी प्लस को मात्र 12 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिले हैं। वहीं महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में बीजेपी और पार्टी गठबंधन की जीत पर कहा- सभी पार्टी कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से भाजपा ने राज्य में एक बार फिर शानदार जीत हासिल की है। यह जीत बीजेपी के विकास और प्रगति सुनिश्चित करने वाले विजन में लोगों के भरोसे को दिखाती है।

उत्तर, दक्षिण भारतीय वोटर बीजेपी के साथ

लेकिन, उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय मतदाताओं ने बीजेपी प्लस के लिए दिल खोलकर मतदान किया है। बीजेपी प्लस को 68प्रतिशत उत्तर भारतीय और 61 प्रतिशत दक्षिण भारतीय वोट मिले हैं। लेकिन, शिवसेना (यूबीटी)प्लस को 19प्रतिशत उत्तर भारतीय और 21प्रतिशत दक्षिण भारतीय वोट ही मिले हैं। कांग्रेस के खाते में इनके क्रमशः 2प्रतिशत और 8प्रतिशत

वोट गए। मतलब, यहीं पर ठाकरे बंधुओं का बेड़ागर्क हो गया। राज ठाकरे उत्तर भारतीयों के प्रति नफरती बयानों के लिए कुख्यात रहे हैं तो दक्षिण भारतीयों के विरोध से ठाकरे परिवार की राजनीति ही शुरू हुई थी।

दक्षिण भारतीय वोटरों ने बजा दी 'पुंगी'

उद्धव ठाकरे के पिता बाल ठाकरे ने मराठी मानूस की बात करके इस समुदाय पर अपनी गहरी छाप छोड़ी थी। 1966 में उन्होंने शिवसेना की स्थापना ही एक तरह से मुंबई में दक्षिण भारतीयों के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए की थी। इसके लिए उनका एक नारा 'उठाओ लुंगी, बचाओ पुंगी' काफी प्रभावशाली साबित हुआ। उनके निशाने पर सबसे ज्यादा तमिल ही रहे। बाद में दक्षिण भारतीयों की तुलना में उत्तर भारतीयों की संख्या ज्यादा बढ़नी शुरू हो गई। लेकिन, आज भी एक अच्छी-खासी दक्षिण भारतीय आबादी मुंबई में है और सर्वे से पता चलता है कि उन्होंने ठाकरे परिवारों की 'पुंगी'बचाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

तमिलनाडु की 'रसमलाई' का बड़ा रोल दक्षिण भारतीय वोटरों और खासकर तमिलनाडु के मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाने के लिए बीएमसी चुनाव प्रचार में बीजेपी ने चेन्नई से अपने लोकप्रिय नेता और पूर्व आईपीएस के अन्नामलाई को उतारा था। नतीजे बताते हैं कि सायन, धारावी जैसे दक्षिण भारतीयों के प्रभाव वाले जिन इलाकों में उन्होंने बीजेपी के लिए प्रचार किया है, वहां सत्ताधारी गठबंधन को अच्छी सफलता मिली। जबकि, अन्नामलाई राज ठाकरे के निशाने पर थे।

ठाकरे भाइयों की राजनीति नहीं चली: यही नहीं, अन्नामलाई को लेकर चुनाव प्रचार के दौरान एक बड़ा विवाद भी हो गया था। उन्होंने यह कह दिया था कि 'बॉम्बे महाराष्ट्र का शहर नहीं, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय शहर है।' वह ये दलील दे रहे थे कि अगर बीएमसी में बीजेपी की सरकार बनेगी तो ट्रिपल इंजन सरकार से मुंबई का प्रशासन अच्छे से चलेगा। एमएनएस चीफ राज ठाकरे ने अपने पुराने वाले अंदाज में इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा, तमिलनाडु से एक रसमलाई आया है। इस स्थान से आपका क्या कनेक्शन है? हटाओ लुंगी बजाओ पुंगी। बाद में शिवसेना (यूटीबी) के मुखपत्र 'सामना' में भी उन्हें 'भिखारी' कह दिया गया।

कुछ महीने बाद दक्षिण के दो राज्यों तमिलनाडु और केरल में विधानसभा चुनाव है। तमिलनाडु में बीजेपी की सरकार बनाने का केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दावा भी कर चुके हैं। मुंबई के वोटरों के जनादेश को बीजेपी निश्चित रूप से वहां भी संदेश के रूप में पहुंचाने की कोशिश करेगी। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भाजपा का मेयर बनाकर उसका मंसूबा पहले से ही ऊंचा है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

किरंदुल में वृहद युवा सम्मेलन संपन्न

सामाजिक एकता, राष्ट्र प्रथम विचार और सांस्कृतिक चेतना का दिया संदेश

किरंदुल। किरन्दुल नगर के वार्ड क्रमांक 08 मुख्य बाजार में युवा सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। सम्मेलन में बड़ी संख्या में नगरवासियों ने सपरिवार सहभागिता कर सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना राष्ट्र प्रथम एवं धार्मिक मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां भारती स्वामी विवेकानंद के पुष्प अर्पित के साथ हुआ। इसके उपरांत सुंदरकांड का पाठ किया गया मुख्य बाजार के हिंदू समाज द्वारा बढ़ चढ़कर भाग लिया और सामूहिक पाठ किया।सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता दंतेवाड़ा से आए समाज सेवक कमलेश नाग ने स्वामी विवेकानंद के विचार और उनसे शिक्षा लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि धर्म और दर्शन पर स्वामी जी ने बहुत सारी किताबें लिखी हैं और युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रवक्ता ने बताया कि स्वामी विवेकानंद का शिक्षा दर्शन चरित्र निर्माण, आत्मनिर्भरता और सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है,जिसका उद्देश्य व्यक्ति को जीवन-संघर्ष के लिए तैयार करना है, वे सकारात्मक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा और सभी के लिए समान शिक्षा के पक्षधर थे, ताकि मनुष्य स्वयं को और समाज को सशक्त बना सके। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी सद्भाव, संस्कारों की रक्षा और सांस्कृतिक पहचान को मजबूती मिलती है। उन्होंने वर्तमान समय में समाज को संगठित रहने और सकारात्मक मूल्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन के दौरान सामाजिक समरसता, युवाओं की भूमिका, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण, योग का महत्व और धार्मिक चेतना जैसे विषयों पर विचार व्यक्त किए गए। वक्ता ने पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व आधारित जीवन और नागरिक कर्तव्य बोध के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज की एकता ही सबसे बड़ी शक्ति है और इसे बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। आयोजन को लेकर नगरवासियों में विशेष उत्साह देखा गया। अंत में आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी नगरवासियों का आभार व्यक्त किया। युवा सम्मेलन के आयोजन से नगर में सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिली है। सम्मेलन में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न मंदिरों के पुजारी, समाज प्रमुख, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएँ, एवं बड़ी संख्या में युवा वर्ग मौजूद रहें।

किसान परिवार के बेटे संजू मरकाम ने बीएसएफ में चयनित होकर बढ़ाया जिले का मान

कोण्डागांव। जिले के ग्राम खड़का निवासी संजू मरकाम ने वर्ष 2024-25 में एसएससी जीडी परीक्षा के माध्यम से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में चयनित होकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। संजू की यह सफलता कठिन परिश्रम, मजबूत इच्छाशक्ति और जिला प्रशासन द्वारा संचालित निःशुल्क लक्ष्य कोचिंग संस्थान के मार्गदर्शन का परिणाम है। संजू मरकाम किसान परिवार से आते हैं। उनके माता-पिता पढ़े-लिखे नहीं हैं, लेकिन उन्होंने अपने बेटे की शिक्षा में कभी कमी नहीं आने दी। संजू ने अर्थशास्त्र (इकोनॉमिक्स) में मास्टर डिग्री तक पढ़ाई की है। बचपन से ही वे खेती-किसानी में अपने पिता का हाथ बंटाते रहे, साथ ही मन में देशसेवा का सपना संजोए रहे। संजू बताते हैं कि उन्हें बचपन से ही वर्दी से विशेष लगाव रहा है। जब भी किसी वर्दीधारी को देखते थे, तो उनके जैसा बनने का सपना देखते थे। संजू अपनी सफलता का श्रेय जिला प्रशासन द्वारा संचालित निःशुल्क लक्ष्य कोचिंग संस्था, अपने माता-पिता, भाई-बहनों और परिवार के सहयोग को देते हैं। वे लक्ष्य कोचिंग संस्थान के पहले बैच के छात्र रहे हैं। प्रवेश परीक्षा में उन्होंने 19वां स्थान प्राप्त किया था। कोचिंग ज्वाइन करने के बाद उन्होंने लगातार मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ तैयारी की। संजू ने कहा कि यह निःशुल्क कोचिंग संस्था जिले के युवाओं के सपनों को साकार करने का सशक्त माध्यम है।

पहले जिले के युवाओं को रायपुर या बिलासपुर जाकर महंगी कोचिंग ज्वाइन करनी पड़ती थी, लेकिन अब शासन द्वारा जिले में ही गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई जा रही है, जो सराहनीय पहल है। यहां के शिक्षक प्रत्येक विषय को गहराई और सरलता से पढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि वे प्रतिदिन सुबह दौड़ के लिए जाते थे। उनकी दीदी और बड़े भैया ने उन्हें समय का महत्व समझाया और नियमित दौड़ व समय पर पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। आज उनका सपना हकीकत में बदल चुका है और वे अपनी सफलता से बेहद खुश हैं।

ग्राम पंचायत बफना में पेयजल संकट गहराया, ग्रामीणों ने जिला कार्यालय पहुंचकर नए बोर व नलकूप की रखी मांग

कोण्डागांव। विकासखंड के ग्राम पंचायत बफना अंतर्गत कलेकसा पारा में इन दिनों भीषण पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने इस संबंध में जिला कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर कोंडागांव को आवेदन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की है। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत क्षेत्र के कलेकसा पारा में एकमात्र जलस्रोत का जलस्तर लगातार गिरता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान जलस्रोत से पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है और जलस्तर नीचे चले जाने के कारण संकट लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में ग्रामीणों ने जनहित को ध्यान में रखते हुए नए बोर या नलकूप खनन कराए जाने की मांग की है, ताकि गांववासियों को स्वच्छ और नियमित पेयजल उपलब्ध हो सके। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की अपेक्षा जताते हुए कहा है कि यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और विकट हो सकती है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब और क्या कदम उठाता है।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और निर्माण कार्यों के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को योजनाओं के जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और निर्माण कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गणतंत्र दिवस के गरिमामय ढंग से आयोजन को लेकर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं झांकी की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों को भी निर्देशित किया। बैठक में प्रमुख रूप से धान खरीदी कार्य के प्रगति और उठाव की कलेक्टर ने विस्तृत समीक्षा की और कहा कि पंजीकृत किसान धान बेचने से छुट न पाए। साथ ही धान उठाव की प्रगति की जानकारी ली और उठाव में तेजी लाने के निर्देश दिए।

परीक्षा परिणाम सुधारने लागू हुआ मेंटर और ब्लूप्रिंट का नया फार्मूला

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूली शिक्षा की तस्वीर बदलने और आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणामों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए शिक्षा विभाग ने एक व्यापक और महत्वाकांक्षी कार्ययोजना तैयार की है। जिले के सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है, कि पढ़ाई के तरीके में परिवर्तन के साथ ही छात्रों के रिजल्ट तैयार करने के गणित में भी बड़ा और अहम बदलाव किया गया है। इस नए आदेश के तहत सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन मूल्यांकन प्रणाली में किया गया है। अब छात्रों के रिपोर्ट कार्ड में साल भर की मेहनत दिखेगी। जारी निर्देशों के मुताबिक कक्षा पहली से चैथी और छठवीं-सातवीं के वार्षिक नतीजों में अब तिमाही और छमाही परीक्षाओं के 20-20 प्रतिशत अंक अधिभार के रूप में जुड़ेंगे, जबकि वार्षिक परीक्षा का भार 60 प्रतिशत रहेगा। वहीं कक्षा 5 वीं और 8 वीं की बोर्ड कक्षाओं के साथ-साथ 9 वीं और 11 वीं के वार्षिक परिणामों में छमाही परीक्षा के 30 प्रतिशत और वार्षिक परीक्षा के 70 प्रतिशत अंकों को जोड़कर अंतिम परिणाम तैयार किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल ने बताया कि कलेक्टर हरिस एस और सीईओ जिला पंचायत शप्रतीक जैन के सतत मार्गदर्शन के अनुरूप जिले में हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट नतीजे हासिल करने के लिए कार्ययोजना तैयार किया गया है और इस दिशा में मिशन डिस्टिंक्शन के तहत कड़े लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। जिसके तहत अर्द्धवार्षिक परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक प्रासांक हासिल करने वाले प्रत्येक छात्र-छात्राओं के लिए एक मेंटर की नियुक्ति कर प्रत्येक सप्ताह समीक्षा करने सहित संबंधित छात्र-छात्रा को समुचित अध्यापन करवाने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान मेंटर द्वारा संबंधित छात्र-छात्रा की लिखावट, भाषा शैली एवं अन्य कमियों को दूर करने सकारात्मक प्रयास किया जाएगा। इसी तरह अन्य विषयों के परीक्षार्थियों की दिक्कतों को भी फोकस कर समाधान करने पहल किया जाएगा। पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद बीते 05 वर्षों के प्रश्न पत्रों का हल करने का अभ्यास भी इन परीक्षार्थियों को करवाया जाएगा। जिससे जिले के अधिकाधिक परीक्षार्थी मेरिट सूची में अपना स्थान हासिल कर सके। इसके अलावा यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कम से कम 5 प्रतिशत परीक्षार्थी 80 फीसदी से अधिक अंक लाएं और तृतीय श्रेणी या पूरक आने वाले परीक्षार्थियों की संख्या न्यूनतम से न्यूनतम हो। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पाठ्यक्रम पूरा करने की समय-सीमा भी तय कर दी गई है। शिक्षा विभाग ने कमजोर बच्चों को मुख्य धारा में लाने के लिए मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मेंटरशिप की अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत स्कूलों में कमजोर बच्चों के समूह बनाए जाएंगे और प्रत्येक समूह के लिए एक शिक्षक को मेंटर नियुक्त किया जाएगा, जो उन बच्चों की पढ़ाई, लेखन और त्रुटियों के सुधार की व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेंगे। साथ ही पियर ग्रुप लर्निंग को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें होशियार और कमजोर बच्चे एक साथ समूह में पढ़ाई करेंगे। खराब लिखावट और मात्रात्मक त्रुटि सुधार के लिए कक्षा पहली से ही हैंडराइटिंग सुधारने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। परीक्षा की तैयारी को रटने की जगह समझने पर आधारित बनाने के लिए ब्लूप्रिंट और प्रश्न बैंक की सहायता ली जाएगी। शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे छात्रों को ब्लूप्रिंट समझाएं ताकि उन्हें पता हो कि किस अध्याय का कितना महत्व है। जिला स्तर पर विषय विशेषज्ञों की टीम द्वारा प्रश्न बैंक तैयार किया जाएगा और मेधावी छात्रों के लिए फरवरी माह में विशेष कार्यशालाएं आयोजित कर उन्हें मेरिट में आने के गुर सिखाए जाएंगे। शिक्षा विभाग ने जारी निर्देश में स्पष्ट किया है कि केवल अच्छा रिजल्ट दिखाने की स्पर्धा में स्तरहीन मूल्यांकन स्वीकार नहीं किया जाएगा और ऐसा करने वालों पर कार्यवाही होगी। अधिकारियों को फरवरी तक स्कूलों की सघन मॉनिटरिंग करने और प्राचार्यों को कार्ययोजना लागू कर पालन प्रतिवेदन जमा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जिले के परीक्षा परिणामों में अपेक्षित गुणात्मक सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

नितिन नवीन बने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष किरंदुल में जश्न, कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

किरंदुल। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को नई दिशा देने के उद्देश्य से नितिन नवीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण घोषणा के बाद किरंदुल मंडल में भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। मंगलवार शाम को बस स्टैंड चौक में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर एवं आतिशबाजी करके खुशी जताई और इसे पार्टी के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शेख नजमुल ने खुशी जताते हुए कहा कि नितिन नवीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भाजपा देशभर में संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त होगी तथा जनसेवा और विकास के कार्यों को नई गति मिलेगी।इस दौरान किरंदुल मंडल के भाजपा कार्यकर्ता युवा मोर्चा महिला मोर्चा अल्पसंख्यक मोर्चा के अनेक कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर पार्टी को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अबूझमाड़ मैराथन के तैयारियों के संबंध में हुई बैठक

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन एवं पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया की उपस्थिति में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन-2026 के आयोजन संबंधी बैठक आयोजित किया गया। कलेक्टर जैन ने जिले में मैराथन के सफल आयोजन हेतु किये जाने वाली तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन हेतु कार्यक्रम स्थल पर मंच, पंडाल एवं साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था, बेरिकेटिंग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात, पार्किंग, पेयजल, साफ-सफाई, प्रशस्ति पत्र, मेडल और सड़क मरम्मत संबंधी कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बाहर से आने वाले प्रतिभागियों के पंजीयन, भोजन, रूकने की व्यवस्था आदि की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले अतिथियों एवं प्रतिभागियों को सभी सुविधा समय पर उपलब्ध कराया जाए। आयोजन स्थल परेड ग्राउंड नारायणपुर से 31 जनवरी को प्रातः 05.30 बजे से किया जाएगा। समापन समारोह बासिंग में किया जाएगा। इस मैराथन के विजेताओं को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा परेड ग्राउंड नारायणपुर पुरस्कार वितरण किया जाएगा। मैराथन दौड़ का मार्ग नारायणपुर से बासिंग तक सड़क के दोनों किनारे सौंदर्यीकरण किए जाने हेतु लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किया गया। इस आयोजन को ओपन हॉफ मैराथन ओपन महिला एवं पुरूष (21 किलोमीटर), ओपन हॉफ मैराथन (बस्तर संभाग स्तर) महिला एवं पुरूष (21 कि.मी.), ओपन हॉफ मैराथन (जिला नारायणपुर स्तर) महिला एवं पुरूष (21 कि.मी) तथा ओपन हॉफ मैराथन टीम रन (रिले मैरा.) महिला एवं पुरूष संयुक्त (21 कि.मी) में वर्गीकरण किया गया है। अबुझमाड़ मैराथन दौड़ में भाग लेने हेतु धावक अबुझमाड़ महोत्सव अबुझमाड़ पीस हॉफ मैराथन 2026 जिला नारायणपुर के आधिकारिक लिंक http://runab-hujhmad.in/ के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकते हैं। जिला नारायणपुर के अतिरिक्त बाहर से धावक भाग लेते हैं तो पंजीयन शुल्क 299 रूपये निर्धारित की गई है। मिक्स क्रॉड टीम दौड़ में माग लेने वाले धावकों को पंजीयन शुल्क 299 रूपये के आधार पर 4 धावकों के लिए राशि 1196 रूपये का शुल्क जमा करना होगा। जिला नारायणपुर के धावकों के लिए पंजीयन निःशुल्क रहेगा। इस हेतु वर्तमान वैध प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। जिनके द्वारा 200 रूपये का भुगतान किया जावेगा केवल उन्हीं धवकों को टी-शर्ट प्रदान किया जावेगा। मैराथन हेतु पंजीकृत धावकों के लिए टी-शर्ट क्रय की अनिवार्यता बाध्य नहीं है बिना टी-शर्ट क्रय के भी पंजीकृत धावक मैराथन में भाग ले सकेंगे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्यकार्यपालन अधिकारी आकांक्षा शिक्षा खलखो, अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मण्डावी, डॉ. सुमित गर्ग, डिप्टी कलेक्टर डीके कोशले, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास राजेन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बोथा में दो दिवसीय वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन

कोण्डागांव। थाना बड़े डोंगर क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांवों के खिलाड़ियों का वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजन थाना बड़े डोंगर के अति संवेदनशील सुदूरवर्ती ग्राम बोथा में दो दिवसीय वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के अध्यक्षता में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल के मार्गदर्शन एसडीओपी फरस गांव अभिनव उपाध्याय एवं थाना प्रभारी बड़े डोंगर के तत्वाधान में ग्राम बोथा में दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर एसडीओपी फरसगांव अभिनव उपाध्याय द्वारा श्रीफल तोड़कर, फीता काटकर वॉलीबॉल खेल का शुभारंभ अपने कर कमलों से किया गया। मौके पर जिला पंचायत सदस्य जयलाल नाग. ग्राम पंचायत बोथा सरपंच पूनऊ राम पोयाम व पंचायत के सभी सदस्य गण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस प्रोग्राम को सफल बनाने हेतु थाना बड़े डोंगर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों के 20 टीमों द्वारा, खेल में भाग लेकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

बीएलओ द्वारा की गई एसआईआर दावा आपत्ति पर सुनवाई कार्य

किरंदुल। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य में विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के अन्तर्गत गणना चरण उपरांत दावा आपत्ति की सुनवाई अवसर देते हुए दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी कर कार्यवाही में उपस्थित मतदाता नोटिस की सुनवाई हेतु निर्वाचिक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सीएमओ नगरपालिका किरन्दुल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को निर्देशित किया गया। जिसके आलोक में नो मैपिंग प्रकरण के चिन्हांकित निर्वाचक भाग संख्या 256 किरन्दुल वार्ड क्रमांक 18 में बीएलओ एम माधव राव, रामगुलाल साहू, सुरेन्द्र कुमार साहू, गुलाब सिंह कोसिमा, दुर्गेश ध्रुव, एएलओ कविता वर्मा, बबली दास द्वारा मतदाताओं की नोटिस की तामील कराई गई।

परिवहन वाहनों की फिटनेस सुविधा प्रारंभ किए जाने की मांग

नारायणपुर। जिले में परिवहन कार्य निरंतर बढ़ रहा है। जिले में अन्य जिलों की तुलना में भारी संख्या में मालवाहक गाड़ियों, विशेषकर माइनिंग से जुड़े ट्रक, प्रतिदिन संचालित हो रहे हैं। बावजूद इसके, यहां परिवहन वाहनों की फिटनेस जांच की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण वाहन मालिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में नारायणपुर जिले के परिवहन मालिकों को अपनी गाड़ियों की फिटनेस के लिए जगदलपुर जाना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ-साथ मानसिक तनाव भी झेलना पड़ रहा है। एक ओर ईंधन, समय और किराये का अतिरिक्त बोझ पड़ता है, वहीं दूसरी ओर परिवार और व्यवसाय पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यह भी सर्वविदित है कि नारायणपुर जिले में माइनिंग से जुड़े ट्रकों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिससे यह आवश्यकता और अधिक गंभीर हो गई है कि फिटनेस संबंधी सेवाएँ जिले के मुख्यालय में ही उपलब्ध कराई जाएँ। अतः मंत्री से विनम्र निवेदन है कि नारायणपुर जिला मुख्यालय में ही परिवहन वाहनों की फिटनेस जांच की सुविधा प्रारंभ की जाए, ताकि स्थानीय परिवहन मालिकों को अनावश्यक परेशानियों से राहत मिल सके और परिवहन व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। हमें पूर्ण विश्वास है कि शासन इस जनहितकारी मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगा।

संक्षिप्त समाचार

महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश द्वारा बिलासपुर में निर्माणाधीन वंदे भारत एक्सप्रेस के कोचिंग डिपो एवं पीट लाइन निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने बिलासपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस के मेंटेनेंस हेतु बनाए जा रहे अत्याधुनिक कोचिंग डिपो के निर्माण कार्य तथा कोचिंग डिपो में प्रस्तावित पीट लाइन के स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता तथा निर्धारित समय-सीमा के अनुपालन की समीक्षा की एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि वंदे भारत जैसी आधुनिक एवं सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों के सुचारु, सुरक्षित एवं समयबद्ध संचालन के लिए उन्नत रखरखाव सुविधाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री विजय कुमार साहू, प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता श्री मनीष अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री के. श्रीनिवास, मुख्य परियोजना प्रबंधक(गतिशक्ति) सहित रेलवे के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए, जिससे भविष्य में वंदे भारत एक्सप्रेस के रखरखाव एवं परिचालन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

चौराहे तांत्रिक क्रिया चिन्ह और टूटा चूड़ी, मिर्च,काला कपड़ा नींबू मिलने भय का माहौल बना जन चर्चा का विषय

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश के कुछ ग्रामीण इलाकों तथा शहरी क्षेत्रों में तंत्र मंत्र की प्रचलन आज भी जिंदा है। लोग अंधविश्वास के दायरे से मुक्त नहीं हो सकें है। झाड़ फूंक टोना टोटका जैसी घटनाएं अक्सर सुनने में आ जाते हैं। सरगुजा जिले के दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र ही नहीं अपितु शहर नगर में भी तंत्र मंत्र को मानने वाले लोग टोना टोटका जैसी तांत्रिक क्रियाओं पर अपना आस्था बनाये हुये है। इसी तारतम्य में नगर पंचायत लखनपुर के वार्ड क्रमांक 07 में 20 जनवरी की रात तांत्रिक क्रिया किये जाने का निशान मिलने से वार्ड वासियों में एक अनदेखा अनहोनी होने का डर बना हुआ है। दरअसल वार्ड के चौराहे पर सड़क में कुछ ताराकृत रेखाओं के बीच सिन्दूर चुड़ी काले कपड़ों की टुकड़े बिखरे पड़े हुये देख लोगो में भय का माहौल है। इसे किसी अज्ञात व्यक्ति विशेष अथवा घर परिवार अहित के लिए किया गया जादू माना जा रहा है।अब इस तारा कृत निशान और सामग्रियों का रहस्य क्या है जानकार ही उजागर कर सकते हैं।

प्रशासनिक टीम ने 29 क्विंटल धान किया जप्त

सरगुजा । सरगुजा कलेक्टर के निर्देश पर प्रशासनिक टीम के द्वारा लगातार अवैध धान भंडारण परिवहन को लेकर कार्रवाई की जा रही है। प्रशासनिक टीम के द्वारा घरों में पहुंचकर किसानों के धान का भौतिक सत्यापन भी किया जा रहा है प्रशासनिक टीम के कार्रवाई को लेकर बिचौलिए के बीच हड़कंप मचा हुआ है इसी कड़ी में 22 जनवरी 2026 दिन गुरुवार की दोपहर नायब तहसीलदार सर्वेश पटेल अपने टीम के साथ पुहपुटरा धान उपार्जन केंद्र निरीक्षण हेतु पहुंचे निरीक्षण के दौरान कौशल्या बाई के नाम पर बिचौलिया द्वारा जुट बोरे में उपार्जन केंद्र धान खपाने लाया गया था। उक्त धान के संबंध में समिति प्रभारी से पूछताश किया गया पूछताछ उपरांत संतोष जनक जवाब नहीं मिलने पर 74 बोरी धान को जप्त कर पंचनामा कार्रवाई कर समिति प्रभारी जगदीश राजवाड़े को सुपुर्द किया गया।

बिलासपुर मंडल क्षेत्राधिकार के माननीय सांसदों के साथ महाप्रबंधक व रेल अधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुआ....

- श्री तोखन साहू, माननीय सांसद बिलासपुर एवं राज्यमंत्री आवास एवं शहरी मंत्रालय भारत सरकार की अध्यक्षता मे हुई बैठक
- यात्री सुविधाओं तथा रेल विकास से संबन्धित कार्यों पर बैठक में हुई चर्चा

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले संसदीय क्षेत्रों के माननीय सांसदों की बैठक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के साथ आज दिनांक 22 जनवरी 2026 को आयोजित की गई । तृतीय तल सभागार महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित यह बैठक सौहार्दपूर्ण तथा सहयोगात्मक माहौल में श्री तोखन साहू, माननीय सांसद बिलासपुर एवं राज्यमंत्री आवास एवं शहरी मंत्रालय भारत सरकार, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । इस बैठक में श्री तोखन साहू, माननीय सांसद बिलासपुर एवं राज्यमंत्री आवास एवं शहरी मंत्रालय भारत सरकार के अलावा श्री चिंतामणि महाराज माननीय सांसद सरगुजा, श्रीमती कमलेश जांगड़े, माननीया सांसद जांजगीर-चांपा, श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, माननीय सांसद राज्यसभा (रायगढ़), शामिल हुये 7 इसके अलावा डॉ.श्रीमती ज्योत्सना महंत, माननीया सांसद कोरबा के प्रतिनिधि श्री हरीश परसाई, श्री जे.ओराम, माननीय सांसद सुंदरगढ के प्रतिनिधि श्री प्रेम सागर उरांव, श्री राधेश्याम राठिया, माननीय सांसद रायगढ के प्रतिनिधि श्री नंदकिशोर डनसेना,

श्रीमती हिमाद्री सिंह, माननीया सांसद शहडोल के प्रतिनिधि श्री संतोष लोहानी, श्री प्रदीप पुरोहित, माननीय सांसद बरगढ के प्रतिनिधि श्री विकास अग्रवाल,अपर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार साहू, मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन, विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे । बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे श्री तरुण प्रकाश ने उपस्थित सांसदों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के मार्गदर्शन और बहुमूल्य सुझाव का लाभ हमें अपनी सेवाओं को और बेहतर करने में मिलेगा । बैठक में उप-महाप्रबंधक (सामान्य) द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का परिचय, उपलब्धियों, यात्री सुविधाओं तथा विकासात्मक कार्यों से संबन्धित प्रजेंटेशन माननीय सांसदों के समक्ष प्रस्तुत किया गया । प्रजेंटेशन में बिलासपुर मंडल में यात्री सुविधाओं से संबन्धित किए जा रहे कार्य ,आधारभूत संरचना का विकास, गाड़ियों का क्षमता आवर्धन, दिव्यांगजन सुविधा, अमृत भारत स्टेशन योजना, वन स्टेशन वन प्रॉडक्ट, महिलाओं के लिए उपलब्ध विशेष सुविधाएं जैसे अक्षिता सेफ बबल, मेरी सहेली अभियान आदि का विशेष उल्लेख किया गया । वाई-फाई, स्वच्छता प्रोजेक्ट, रेल मदद हेल्पलाइन नंबर 139, यात्री सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण आदि की विस्तृत जानकारी साझा की गई । माननीय सांसदों द्वारा मंडल में हो रहे विकास कार्यों, उपलब्ध यात्री सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया गया।

किसान हितैषी योजनाओं से किसानों को मिल रहा लाभ

- समृद्धि की राह पर अग्रसर जिले के किसान

बिलासपुर। राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से किसान समृद्धि की राह पर अग्रसर है। धान खरीदी की समुचित व्यवस्था एवं किसान हितैषी विभिन्न योजनाओं से किसानों के जीवन में सकरात्मक बदलाव आ रहे हैं। धान खरीदी की सुव्यवस्थित प्रक्रिया न केवल किसानों की मेहनत को सम्मान दिला रही है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही है। जिसके लिए वे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के आभारी हैं। राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी से किसान सशक्त हो रहे है। बेलगहना धान उपार्जन केन्द्र में आए किसानों ने बताया कि केन्द्र में सभी सुविधाएं उपलब्ध है और वे आसानी से बिना किसी परेशानी के धान बेच रहे हैं। धान खरीदी के लिए धान उपार्जन केन्द्रों में प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। इसके साथ ही धान के उठाव की व्यवस्था भी केन्द्रों में की गई है। बेलगहना धान उपार्जन केन्द्र में धान बेचने आए किसान श्री लक्ष्मण सिंह ने बताया कि वे 29 क्विंटल 20 किलो धान लेकर केंद्र आए है। केंद्र में तौल

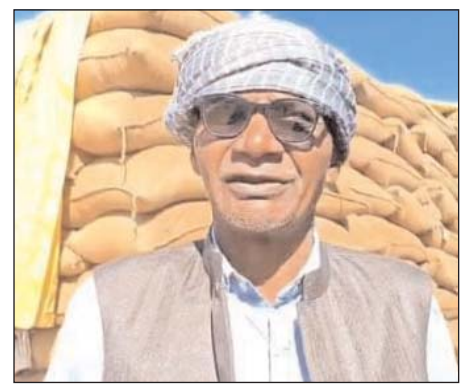

प्रक्रियाओं सहित अन्य व्यवस्थाएं भी सुचारू रूप से चल रही है।किसानों को राशि का भुगतान भी त्वरित रूप से किया जा था है। सरकार ने किसानों के हित में कई कदम उठाए हैं जिसका लाभ उन्हें मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार के किसानों के हित में लिए गए कई निर्णयों से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसानों के हित में कई योजनाएं चला रही है जिससे किसानों को बड़ी राहत मिल रही है।

विद्युत संकट से निपटने पंचायतों को मिला संबल

- प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने छह ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराए डीजी सेट

सूरजपुर संवाददाता। लगातार बाधित हो रही विद्युत आपूर्ति के कारण पंचायत और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए क्षेत्र की छह ग्राम पंचायतों— दनोलीखुर्द, केवरा, कुसमी, बड़सरा, खाड़ापारा और कुर्सीडीह—को बड़ी राहत मिली है। ग्राम पंचायत सरपंचों एवं जनप्रतिनिधियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, भास्करपारा कोल माइंस द्वारा प्रत्येक पंचायत को एक-एक नग डीजी सेट प्रदान किया गया है। यह पहल बिजली कटौती और आपातकालीन परिस्थितियों में पंचायत कार्यों को निर्बाध रूप से संचालित करने में सहायक सिद्ध होगी। डीजी सेट का वितरण ग्राम पंचायत सरपंचों और बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों के समक्ष किया गया। इससे पंचायत कार्यालयों के साथ-साथ सार्वजनिक कार्यों में भी अब विद्युत बाधा के समय

सहयोग मिल सकेगा। इस पहल के चलते बिजली गुल होने या आपात स्थितियों में पंचायत संबंधी कार्य, जनसेवा और सार्वजनिक गतिविधियाँ प्रभावित नहीं होंगी। ग्रामीणों ने इस जनहितकारी कदम की सराहना करते हुए प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

स्पा संचालक से वसूली मामले में एएसपी राजेंद्र जायसवाल निलंबित

बिलासपुर । बिलासपुर में स्पा सेंटर संचालक से वसूली मामले में एडिशनल एसपी राजेंद्र जायसवाल को निलंबित कर दिया गया है। बुधवार सुबह मीडिया से चर्चा के दौरान गृह मंत्री विजय शर्मा ने ऐसे अधिकारियों को तत्काल निलंबित कर जांच करने की बात कही थी। इसके बाद अब राजेंद्र जायसवाल के खिलाफ निलंबन का आदेश जारी हो गया है।बता दें, बिलासपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित स्पा एंड वेलनेस सेंटर के संचालक ने पूर्व एडिशनल एसपी राजेंद्र जायसवाल पर डराने-धमकाने और पैसों की मांग करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस मामले में स्पा संचालक ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) संजीव शुक्ला से पूर्व एडिशनल एसपी के स्टिंग वीडियो और व्हाट्सऐप कॉल रिकॉर्डिंग साझा करते हुए लिखित शिकायत की है। जिसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) ने तत्काल जांच के आदेश देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बिलासपुर को जांच अधिकारी नियुक्त किया है.शिकायतकर्ता का दावा है कि उसने पूर्व एएसपी का स्टिंग किया, जिसमें कथित रूप से पैसों की मांग और धमकी से जुड़ी बातचीत रिकॉर्ड हुई है। उसके अनुसार, लगातार दबाव के कारण वह मानसिक रूप से परेशान हो गया था, जिसके बाद उसने उच्च अधिकारियों से शिकायत करने का निर्णय लिया है। वहीं आज इस मामले में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के बयान के बाद पूर्व एडिशनल एसपी राजेंद्र जायसवाल को निलंबित कर दिया गया है।

रतनपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई...दो शराब कोचियों से अवैध शराब जब्त

बिलासपुर। थाना रतनपुर पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई करते हुए दो शराब कोचियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 32 पाव देशी प्लेन शराब, 10 लीटर कच्ची महुआ शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल जब्त की है। जब्त सामग्री की कुल कीमत ?4,560 बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों में रामू वर्मा, पिता रामकुमार वर्मा, उम्र 30 वर्ष, निवासी नगपुरा, थाना रतनपुर, जिला बिलासपुर निलेश कश्यप, पिता हिन्छाराम कश्यप, उम्र 52 वर्ष, निवासी गिधौरी, थाना रतनपुर, जिला बिलासपुर शामिल हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह (भा.पु.से.) के निर्देश पर जिले में नशे के कारोबारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमती मधुलिका सिंह एवं एसडीओपी कोटा नूपुर उपाध्याय के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी

निलेश पाण्डेय के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। दिनांक 20 जनवरी 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से भारी मात्रा में शराब लेकर नगपुरा मेला की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम नगपुरा मेन रोड पर घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ा। उनके विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निलेश पाण्डेय, प्र.आर. सैय्यद अकबर अली, आरक्षक आकाश डोंगरे, देवानंद चन्द्राकर, धनराज कुम्भकार एवं मनीष जायसवाल का विशेष योगदान रहा।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रमः विकासखण्ड रामानुजनगर में घर-घर सर्वे जारी

रामानुजनगर। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सूरजपुर एस जयवर्धन के निर्देशन में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी डी एस लकड़ा के आदेशानुसार तथा बीपीओ रविनाथ तिवारी के मार्गदर्शन में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम 2025ङ्क26 के अंतर्गत ग्राम पंचायत, ग्राम, पारा, मोहल्ला एवं टोला स्तर पर घर-घर सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 15 वर्ष से अधिक आयु के उन व्यक्तियों को साक्षर बनाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है, जिन्होंने अब तक स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वर्ष 2025ङ्क26 में प्रदेश को पूर्ण साक्षर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत मार्च 2026 में बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान मूल्यांकन परीक्षा प्रस्तावित है। कार्यक्रम की महत्ता को देखते हुए राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा 26 जनवरी 2026 तक ग्राम पंचायत, ग्राम, पारा, मोहल्ला एवं टोला स्तर पर घर-घर सर्वे की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। विकासखण्ड रामानुजनगर के ग्राम पंचायत पतरापाली में चल रहे सर्वेक्षण के संबंध में सर्वेकर्ता शिक्षक योगेश साहू ने बताया कि सर्वे की अंतिम तिथि 26 जनवरी है। शासन की मंशा है कि प्रत्येक गांव को 100 प्रतिशत साक्षर बनाया जाए। उन्होंने ग्रामीणों से

अपील की कि यदि उनके घर या आसपास कोई भी व्यक्ति असाक्षर है तो उसकी सही जानकारी छुपाए बिना सर्वे दल को दें, ताकि उसका पंजीयन कर साक्षरता कार्यक्रम से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक योजना नहीं बल्कि समाज के हर व्यक्ति को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामवासियों के सहयोग से ही इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

गृहमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर एडिशनल एसपी राजेंद्र जायसवाल होंगे सस्पेंड, वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के निवर्तमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और वर्तमान में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पदस्थ एएसपी राजेंद्र जायसवाल एक बार फिर गंभीर विवादों में घिर गए हैं। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। वायरल वीडियो को लेकर एक स्पा संचालक ने गंभीर आरोप लगाए हैं। संचालक का दावा है कि यह वीडियो उसने अपने निजी डिवाइस से गोपनीय रूप से रिकॉर्ड किया था। आरोप है कि एडिशनल एसपी राजेंद्र जायसवाल स्पा संचालन के एवज में उससे अवैध रूप से पैसों की मांग कर रहे थे। पैसे देने से मना करने पर उन्हें एएसपी के कार्यालय बुलाया गया, जहां कथित तौर पर यह वीडियो बनाया गया। स्पा संचालक ने साफ कहा है कि उसके स्पा में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि नहीं होती और न ही वह इसकी अनुमति देता है। इसके बावजूद पैसों की मांग किए जाने से आहत होकर उसने पूरे मामले की लिखित शिकायत पुलिस महानिरीक्षक को सौंपी है।

कांग्रेस के अल्टीमेटम के बाद शुरू हुआ फेस केवाईसी

नेता प्रतिपक्ष ने जताया आभार,हजारों वंचित होंगे लाभान्वित

अम्बिकापुर। फिंगर केवाईसी विफलता के कारण राशन से वंचित किए गए हितग्राहियों के लिए राहत भरी खबर है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों द्वारा कलेक्टर को दिए गए अल्टीमेटम पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही करते हुए फेस केवाईसी की सुविधा शुरू कर दी है। जिला खाद्य अधिकारी ने नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद को फोन पर जानकारी दी कि तत्काल प्रभाव से फेस केवाईसी लागू कर दी गई है। अब वे सभी हितग्राही जिनका नाम फिंगर केवाईसी न होने के कारण राशन कार्ड से कट गया था, फेस केवाईसी कराकर पुनः राशन प्राप्त कर सकेंगे। इस फैसले से विशेष रूप से बुजुर्गों, पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों तथा मेहनतकश श्रमिकों को राहत मिलेगी, जिनकी उंगलियों की पहचान मशीनों में नहीं हो पा रही थी। शफी अहमद ने बताया कि प्रभावित हितग्राही अपनी नजदीकी उचित मूल्य दुकान या निर्धारित केंद्र पर जाकर फेस केवाईसी करवा सकते हैं। उन्होंने इस त्वरित निर्णय के लिए जिला प्रशासन एवं खाद्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। कांग्रेस पार्षद दल ने जिले के सभी प्रभावित नागरिकों से अपील की है कि वे फेस केवाईसी की सुविधा का लाभ लेकर राशन प्राप्त करें और किसी प्रकार की समस्या होने पर खाद्य विभाग अथवा अपने जनप्रतिनिधि से संपर्क करे सकते हैं।

बसंत पंचमी के दिन सरस्वती यंत्र की पूजा किस विधि से करें?

हिंदू धर्म में बसंत पंचमी का पर्व मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन सरस्वती माता की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। अब ऐसे में इस दिम सरस्वती यंत्र की पूजा का महत्व क्या है। सनातन धर्म में बसंत पंचमी मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन इनकी पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को मां सरस्वती की कृपा प्राप्त हो सकती है और ज्ञान, कला के साथ-साथ सभी कार्यों में निपुणता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दिन किताब और कलम की पूजा-अर्चना करने का विधान है। इस दिन संगीत यंत्र भी पूजा की जाती है। अब ऐसे में अगर आप बसंत पंचमी के दिन विद्या और कला की देवी सरस्वती की पूजा कर रहे हैं तो सरस्वती यंत्र की भी पूजा करने से भक्तों को लाभ हो सकता है।

सरस्वती यंत्र की पूजा के लिए सामग्री?

सरस्वती यंत्र, लाल फूल
सफ़ेद फूल, धूप, दीप
अक्षत, रोली, माला, नैवेद्य
गंगाजल, दूध, पंचामृत
पंजीरी भोग के लिए

सरस्वती यंत्र की पूजा किस विधि से करने से करें?

- सबसे पहले सुबह उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल से शुद्ध करें।
- सरस्वती यंत्र को एक लाल कपड़े पर स्थापित करें।
- यंत्र के सामने धूप, दीप, अक्षत, पुष्प, चंदन आदि अर्पित करें।
- गणेश जी का ध्यान करें और उन्हें प्रणाम करें।

- फिर सरस्वती माता का ध्यान करें और उन्हें प्रणाम करें।
- सरस्वती मंत्र का जाप करें। आप ऊंऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वत्यै नमः मंत्र का जाप कर सकते हैं।
- सरस्वती यंत्र को गंगाजल और दूध से स्नान कराएं।
- यंत्र पर चंदन, कुमकुम और अक्षत लगाएं।
- यंत्र को पुष्प और माला अर्पित करें।
- धूप और दीप जलाएं।
- सरस्वती कथा का पाठ करें।
- अंत में आरती करें और सभी को प्रसाद वितरित करें।

सरस्वती यंत्र की पूजा का महत्व

सरस्वती यंत्र की पूजा करने से बुद्धि, विद्या, ज्ञान और रचनात्मकता में वृद्धि होती है। यह छात्रों और कलाकारों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को कार्यक्षेत्र में सफलता नहीं मिल रही है तो सरस्वती यंत्र की पूजा बसंत पंचमी के दिन विशेष रूप से करने से लाभ हो सकता है और छात्रों के लिए यह दिन सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसलिए इस दिन सभी छात्र विधिवत रूप से पूजा करें।

श्रद्धा व उल्लास का पर्व बसंत पंचमी

वसंत पंचमी, जिसे सरस्वती जयंती के रूप में भी जाना जाता है, हिंदू परंपरा में गहरा महत्व रखती है क्योंकि इसे देवी सरस्वती की जयंती माना जाता है। देवी लक्ष्मी को समर्पित दिवाली और देवी दुर्गा को समर्पित नवरात्रि की तरह, वसंत पंचमी ज्ञान और ज्ञान की प्रतिष्ठित देवी, सरस्वती की पूजा के आसपास केंद्रित एक उत्सव है। इस शुभ दिन पर, भक्त दिन के हिंदू प्रभाग में दोपहर से पहले के समय, पूर्वाह्न के दौरान देवी सरस्वती का सम्मान करते हैं। देवी को सफेद कपड़ों और फूलों से सजाया जाता है, जो पवित्रता का प्रतीक है, क्योंकि सफेद को देवी का पसंदीदा रंग माना जाता है। दूध और सफेद तिल से बनी मिठाइयों का प्रसाद देवी सरस्वती को अर्पित किया जाता है और दोस्तों और परिवार के बीच प्रसाद के रूप में साझा किया जाता है। उत्तर भारत में, वर्ष के इस समय के दौरान खिले हुए सरसों के फूलों और गेंदा फूल की प्रचुरता के कारण पूजा के लिए पीले फूलों को विशेष रूप से चुना जाता है। वसंत पंचमी न केवल धार्मिक अनुष्ठान का दिन है, बल्कि विद्या आरंभ का भी प्रतीक है, एक अनुष्ठान जिसका उद्देश्य छोटे बच्चों को शिक्षा और औपचारिक शिक्षा के दायरे से परिचित कराना है। कई स्कूल और कॉलेज ज्ञान और शैक्षणिक गतिविधियों के महत्व पर जोर देते हुए, उत्सव के हिस्से के रूप में सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं जबकि वसंत पंचमी नाम भारतीय वसंत ऋतु से संबंध का सुझाव दे सकता है, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह दिन जरूरी नहीं कि वसंत के मौसम से जुड़ा हो। कुछ वर्षों में, यह वसंत के दौरान पड़ता है, लेकिन यह लगातार होने वाली घटना नहीं है। परिणामस्वरूप, श्री पंचमी और सरस्वती पूजा जैसे वैकल्पिक नामों को अधिक उपयुक्त माना जाता है, यह स्वीकार करते हुए कि हिंदू त्योहार विशिष्ट मौसमों से सख्ती से बंधे नहीं हैं।

वसंत पंचमी कैसे मनाई जाती है

वसंत पंचमी विभिन्न अनुष्ठानों और गतिविधियों के माध्यम से मनाई जाती है जिनका सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। इस त्यौहार से जुड़े मुख्य अनुष्ठान इस प्रकार हैं -

घर पर सरस्वती पूजा

परिवार देवी सरस्वती को प्रार्थना समर्पित करते हुए घर पर सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं। अनुष्ठानों में अध्ययन, कला, शिल्प, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रार्थना करना शामिल है।

पतंग उड़ाना

वसंत पंचमी के दौरान पतंग उड़ाना एक लोकप्रिय गतिविधि है, जो उत्सव में एक उत्सव और खुशी का तत्व जोड़ती है।

सफेद और पीले कपड़े पहनना

लोग पारंपरिक रूप से इस दिन सफेद और पीले कपड़े पहनते हैं, जो पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक है। विशेष रूप से सरसों की फसल की कटाई के समय से जुड़े होने के कारण पीला रंग विशेष महत्व रखता है।

सरसों और गेंदे के फूल चढ़ाना

भक्त पूजा अनुष्ठान के हिस्से के रूप में देवी सरस्वती को सरसों और गेंदे के फूल चढ़ाते हैं।

बच्चों के लिए विद्या आरंभ

वसंत पंचमी छोटे बच्चों को विद्या आरंभ के अनुष्ठान के माध्यम से शिक्षा की दुनिया में आरंभ करने के लिए महत्वपूर्ण है।

स्कूलों और कॉलेजों में सरस्वती पूजा

कई शैक्षणिक संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं। पूजा के बाद, छात्रों और उनके परिवार के सदस्यों को प्रसाद दिया जाता है, उसके बाद उत्सव का भोजन किया जाता है।

नए उद्यम शुरू करना

नए उद्यम शुरू करने, विशेषकर शैक्षणिक संस्थानों और कॉलेजों का उद्घाटन करने के लिए यह दिन शुभ माना जाता है।

मृत परिवार के सदस्यों के लिए पितृ तर्पण

जीवन और ज्ञान का जश्न मनाने के अलावा, कुछ परिवार पितृ तर्पण भी करते हैं, जो मृत परिवार के सदस्यों को सम्मान देने और याद रखने का एक अनुष्ठान है।

साड़ी पहनना

वसंत पंचमी पर साड़ी पहनना एक आम बात है, जो उत्सव में पारंपरिक स्पर्श जोड़ती है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्कूल और कॉलेज अक्सर इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं, प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हैं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाते हैं।

प्रेरणादायी हैं मां सरस्वती का स्वरूप

वसंत पंचमी हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल की पंचमी को मनाई जाती है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द व शक्ति की प्राप्ति जीव को हुई थी। सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है।

- पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है।
- शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं और उनके चार हाथ हैं जिनमें वीणा, पुस्तकमाला और अक्षरमाला है। उनका वाहन हंस है।
- शुभवस्त्र मानव को प्रेरणा देते हैं कि अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाएं और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करें।
- दो हाथों में वीणा ललित कला में प्रवीण होने की प्रेरणा देती है।
- जिस प्रकार वीणा के सभी तारों में सामंजस्य होने से मधुर संगीत निकलता है वैसे ही मनुष्य अपने जीवन में मन व बुद्धि का सही तालमेल रखे।
- सरस्वती का वाहन हंस विवेक का परिचायक है।

उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है पीला रंग

वसंत पंचमी के पर्व पर वैसे भी चटख पीला रंग उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है। इसके साथ सफेद रंग से जुड़ी शांति भी शामिल हो जाती है। इस दिन खास तौर पर कई घरों में रंगोली सजाई जाती है। कुछ लोगों के यहां केसर वाले पीले रंग के मीठे चावल खास इसी दिन बनाएं जाते है। कई परिवारों में आज भी वसंत पंचमी के दिन एक-दूसरे के घरों में मीठे चावल और केले भेंट किए जाते हैं। कई परिवारों द्वारा मंदिरों में हलवा और मिठाई दान करने की परंपरा है। वसंत ऋतु के साथ होली के आगमन की दस्तक और सरस्वती पूजा का यह पर्व पुराने समय से ही युवाओं के लिए उत्साह वाला रहा है। ग्रामीण इलाकों में अपने खेतों में गेहूं, मटर, चना और दूसरी तरह की लहलहाती हरी-भरी फसलों को देखकर किसानों के मन प्रफुल्लित हो जाते हैं। खेतों में दूर-दूर तक धानी-सरसों के फूलों की पीली चादर बरबस मन को मोह लेती है। कोहरे और ओस से भीगी मिट्टी और रंगबिरंगे फूलों की मिली-जुली भीनी खुशबू अपनी ओर खींचती है। ऐसे समय में हर किसी का मन बिना मचलें नहीं रह सकता। ऐसा नजारा देखकर किसी भी कवि मन से श्रृंगार रस की एक से एक मनभावन कविताएं फूट पड़ना आम बात है। इस दिन हजारों युवा विवाह के बंधन में बंध जाएंगे। पंचांग के अनुसार हिंदू धर्म में नवंबर के बाद शादियों पर प्रतिबंध लग जाता है पर वसंत पंचमी के दिन से शादियां फिर से शुरू हो जाती हैं।

बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को अर्पित करें 11 सफेद और पीली शुभ सामग्री

23 जनवरी को वसंत पंचमी मनाई जाएगी। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार माघ माह की शुक्ल पंचमी को बसंत पंचमी के रूप में माता सरस्वती का जन्मोत्सव और मदनोत्सव बनाया जाता है। इस दिन माता सरस्वती की पूजा होती है। आओ जानते हैं कि माता सरस्वती को कौनसी सी 11 सफेद और पीली शुभ सामग्री अर्पित करना चाहिए।

- पीले और सफेद फूल : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद फूल अर्पित करें।
- पीले और सफेद वस्त्र : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद वस्त्र अर्पित करें। इस पूजा करते समय पीले वस्त्र पहनान चाहिए।
- पीले या सफेद पेड़े या मिठाई : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद पेठे अर्पित करें।
- केला : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को केला अर्पित करें।
- बूंदी : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को बूंदी अर्पित करें।
- पीले चावल : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को केसर मिश्रित पीले चावल अर्पित करने से वह प्रसन्न होती हैं।
- श्वेत चंदन : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती की श्वेत चंदन से पूजा की जाती है।
- मधु : शहद अर्पित करें।
- गन्ना और गन्ने का रस : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को गन्ना और गन्ने का रस भी अर्पित करें।
- दूध, दही और मक्खन : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को दूध, दही और मक्खन अर्पित करें।
- अन्य सामग्री : धान का लावा, सफेद तिल के लड्डू, पका हुआ गुड़, श्वेत अलंकार, खोवे का श्वेत मिष्ठान, अदरक, मूली, शर्करा, सफेद धान के अक्षत, तण्डुल, शुक्ल मोदक, घृत, सैन्धवयुक्त हविष्यान्न, यवचूर्ण या गोधूमचूर्णका घृतसंयुक्त पिष्टक, पके हुए केले की फली का पिष्टक, नारियल, नारियल का जल, श्रीफल, बदरीफल, ऋतुकालोभ्दव पुष्प फल आदि। पूजा में पेन, कॉपी, किताब, वाद्य यंत्र आदि को शामिल करना चाहिए।

विदेशों में भी पूज्य हैं मां सरस्वती

बसंत पंचमी का पर्व धार्मिक उत्सव का दिन है। इस दिन देवी सरस्वती की आराधना विशेष रूप से की जाती है। देवी मां सरस्वती के बारे में कहा जाता है कि ये मूर्ख को भी विद्वान बना सकती हैं। देवी सरस्वती हिंदू धर्म की एक प्रमुख देवी है, जिसे ज्ञान और विद्या की देवी माना गया है। वसंत पंचमी का दिन मां सरस्वती, माता शारदा, देवी वाग्देवी, भारती, वीणावादिनी आदि नामों से पूजित इस विख्यात देवी की पूजा व सामाजिक कार्यक्रम माना जाता है।

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि ज्ञान की पूजा का महत्व हमारी भारतीय संस्कृति में सदियों से है और यह आगे भी जारी रहेगा। यही कारण है कि दुनिया के लगभग हर देश में ज्ञान की देवी और देवताओं परिकल्पना की गई है। उसे कताई-बुनाई, संगीत, चिकित्सा शास्त्र और गणित सहित रोजमर्रा के कार्यों में निपुणता की देवी माना गया है।

कहां-कहां होती हैं देवी सरस्वती की पूजा - पुराणों के अनुसार सदियों के देवी सरस्वती की पूजा भारत और नेपाल तथा विदेश में होती आ रही है। देवी सरस्वती को बर्मा (म्यांमार) में थुयथदी, सूरस्सती और तिपिटका मेदा, चीन में बियानचाइत्यान, जापान में बेंजाइतेन और थाईलैंड में सुरसवदी के नाम से जाना जाता है। मां देवी सरस्वती की आराधना केवल भारत और नेपाल में ही नहीं, बल्कि चीन, थाईलैंड, जापान, इंडोनेशिया, बर्मा (म्यांमार) और अन्य कई देशों में भी होती है। प्राचीन ग्रीस में एथेंस शहर की संरक्षक देवी एथेना को ज्ञान, कला, साहस, प्रेरणा, सभ्यता, कानून-न्याय, गणित, जीत की देवी माना गया. जापान की लोकप्रिय देवी बेंजाइतेन को हिंदू देवी सरस्वती का जापानी संस्करण कहा जाता है। इस देवी के नाम पर जापान में कई मंदिर हैं। जर्मनी में जहां इन्हें स्नोत्र को ज्ञान, सदाचार और आत्मनियंत्रण की देवी माना गया है, वहीं फ्रांस, स्पेन, इंग्लैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया सहित कई यूरोपीय देशों में ज्ञान और शिल्प की देवी के रूप में मिनर्वा का स्मरण किया जाता है।

देवी का स्वरूप- माघ शुक्ल पंचमी, जिसे वसंत पंचमी भी कहते हैं, उस दिन देवी सरस्वती की आराधना विशेष रूप से की जाती है। धार्मिक ग्रंथों में माता सरस्वती के रूप-रंग को शुक्लवर्णा और श्वेत वस्त्रधारिणी बताया गया है, जो वीणावादन के लिए तत्पर तथा श्वेत कमल पुष्प पर आसीन रहती हैं। देवी सरस्वती को 'वाणी की देवी' के नाम से संबोधित किया जाता है तथा 'वागेश्वरी' और हाथों में वीणा होने के कारण इन्हें 'वीणापाणि' नाम भी दिया गया है।

मां सरस्वती के जन्मोत्सव का दिन- बसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती माता की पूजा की प्रथा सदियों दुनिया भर में चली आ रही है। मान्यतानुसार सृष्टि के निर्माण के समय देवी सरस्वती बसंत पंचमी के दिन प्रकट हुई थीं, इसी वजह से बसंत पंचमी को मां सरस्वती के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है तथा उनकी अलग-अलग नामों से भारत और देश-विदेश में पूजा-अर्चना की जाती है।

बसंत पंचमी 2026 कब है?

सरस्वती पूजा की विधि और अबुझ मुहूर्त का महत्व

साल 2026 में बसंत पंचमी 23 जनवरी को मनाई जाएगी. पंचमी तिथि की उदयातिथि इसी दिन होने से यह पर्व विशेष फलदायी होगा. इस अबूझ मुहूर्त पर पीले वस्त्र पहनकर मां सरस्वती की पूजा करना, नई शुरुआत, शिक्षा और कला साधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है.

देवघर: कहा जाता है कि जिस छात्र पर मां सरस्वती की कृपा हो जाती है उसका जीवन ज्ञान, विवेक और सफलता से भर जाता है. ज्ञान, कला और बुद्धि की देवी मां सरस्वती को समर्पित बसंत पंचमी का पर्व हर साल माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है. इस दिन विशेष रूप से छात्र-छात्राएं मां सरस्वती की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं.

क्या कहते है ज्योतिषाचार्य

नंदकिशोर मुद्गल ने बताया कि नए साल 2026 में बसंत पंचमी का पर्व 23 जनवरी को मनाया जाएगा. ऋषिकेश पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 22 जनवरी दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से होगी और इसका समापन अगले दिन 23 जनवरी दोपहर 2 बजकर 20 मिनट मे होगा. उदयातिथि को मान्यता देने के कारण 23 जनवरी को ही बसंत पंचमी का पर्व मनाना शुभ रहेगा.

पूजा का महत्व और विधि

ज्योतिषाचार्य के अनुसार बसंत पंचमी के दिन छात्र-छात्राओं को सुबह स्नान कर शुद्ध मन से मां सरस्वती की पूजा करनी चाहिए. इस दिन षोडशोपचार विधि से पूजा करना विशेष फलदायी माना गया है. पूजा में मां को सफेद या पीले फूल, अक्षत, पुस्तक, कलम और वाद्य यंत्र अर्पित किए जाते हैं. इससे पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है और ज्ञान की प्राप्ति होती है.

बसंत पंचमी के दिन वस्त्र और रंग का विशेष महत्व

बसंत पंचमी के दिन पीले या सफेद वस्त्र धारण करना शुभ माना जाता है. पीला रंग बसंत ऋतु, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है. इसी कारण इस दिन पीले वस्त्र, पीले फूल और पीले प्रसाद का विशेष महत्व होता है.

अबुझ मुहूर्त का रहता है दिन

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि बसंत पंचमी को अबूझ मुहूर्त माना जाता है. यानी इस दिन बिना पंचांग देखे किसी भी नए कार्य की शुरुआत की जा सकती है. शिक्षा की शुरुआत, लेखन कार्य, संगीत या कला की साधना के लिए यह दिन बेहद शुभ माना जाता है. इस दिन पूजा आराधना करने के लिए पूरा दिन शुभ मुहूर्त होता है.

दीपप्रज्वलन कर महापौर ने किया प्रदर्शनी का शुभारंभ, प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए महापौर अलका बाघमार ने कारीगरों के हुनर को बताया प्रेरणादा

पारंपरिक कारीगरी को नई पहचान दिलाने पीएम विश्वकर्मा योजना कारगर : महापौर

दुर्ग। नगर पालिक निगम।भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय, एमएसएमई-विकास कार्यालय, रायपुर द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए प्रदर्शनी-सह-व्यापार मेला का आयोजन दिनांक 21 एवं 22 जनवरी, 2026 को स्वामी विवेकानंद भवन, दुर्ग में किया जा रहा है। जिसका महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर चन्द्राकर, निलेश अग्रवाल,शशि साहू की उपस्थिति में 100 स्टॉलों में सजी विश्वकर्माओं की कला, दीपप्रज्वलन कर प्रदर्शनी का उद्घाटन- बता दे कि विश्वकर्माओं द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए लगभग 100 स्टॉल लगाए है। इस कार्यक्रम के अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, हर काम का अपना महत्व है।इस योजना में टूलकिट पोस्ट ऑफिस से भेजा जा रहा है जो कि पारदर्शी है, सराहनीय है, 5त्न वार्षिक दर पर ऋण मिल रहा है यह भी एक उपलब्धि है हमारे विश्वकर्मा जनों के लिए। उन्होंने ये भी कहा कि इस योजना के माध्यम से विश्वकर्माओं को अपने साथ साथ अपने बच्चों का भी भविष्य संवारने में मदद मिलेगी। विलुप्त हो रही हस्तकला को वापस लाने के लिए ही यह योजना बनाई गई है।हर हाथ को काम मिले और युवागण नौकरी के ऊपर निर्भर ना रहे यही हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी की अभिलाषा है।जब हर हाथ को, हर कारीगर को काम मिलेगा तभी हमारा देश तरक्की के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ेगा।गांवों का विकास तभी होगा जब पुराने और परंपरागत व्यवसाय को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और हमारे गांव पहले की तरह समृद्ध और आत्मनिर्भर हो सकेंगे। डॉक्टर सीपी दुबे अध्यक्ष लघु उद्योग भारती इंसान के बनाए हुए सामानों की महत्ता के बारे बताया भारत एक समय सोने की चिड़िया था क्योंकि देश के हरेक गांव में सारी सुविधाएं उपलब्ध थी उनको बाहर जाने की आवश्यकता नहीं थी। इसी कारण माननीय प्रधानमंत्री ने कारीगरों को आगे बढ़ाने के लिए यह योजना लांच की है ताकि गांवों की उन्नति के साथ हमारा देश पुनः सोने की चिड़िया बन सके। बी आर निकुंज मुख्य महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र दुर्ग पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत दुर्ग जिले में प्राप्त आवेदनों, टूल किट वितरण, स्वीकृत ऋण आदि के बारे में बताया। गणेशचंद्र डेका संयुक्त निदेशक स्किल डेवलपमेंट विभाग इस योजना के माध्यम से कारीगरों पहचान, सम्मान, सामर्थ और समृद्धि की प्राप्ति हुई है।इस प्रदर्शनी के माध्यम से विश्वकर्माओं को एक मंच मिलेगा, समान कैसे बेचना है, बिजनेस कैसे बढ़ाना है इसका अवसर मिलेगा। साथ ही उनका उत्पाद ऑनलाइन कैसे बेचना है इस पर भी जानकारी दी जाएगी। जो कला, कारीगरी लुप्त हो रही थी,विश्वकर्मा योजना के माध्यम से उनको फिर से आगे लाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री ने यह योजना लागू किए है। उनको इस योजना से बहुत लाभ मिला है।उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद मिली है।आभार प्रदर्शन श्री के बी इरपाते, उपनिदेशक स्स्स्ध्र विकास कार्यालय रायपुर,कार्यक्रम का संचालन श्री दामोदर बेहरा सहायक निदेशक स्स्स्ध्र विकास कार्यालय रायपुर ने किया।

नगर पालिक निगम भिलाई के प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत बीएलसी घटक में व्यापक प्रचार प्रसार अभियान

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना द्वारा बीएलसी घटक का व्यापक स्तर पर जगह जगह होर्डिंग, फ्लेक्स ,सार्वजनिक स्थलों एवं जोन कार्यालय में वॉलपेंटिंग, वार्डो में वाहनों के माध्यम से मुनादी और सोशल मीडिया के ज़रिए प्रचार प्रसार किया जा रहा है ।साथ ही साथ वार्डो में सर्वे टीम नियुक्त कर वास्तुविद के माध्यम से डोर टू डोर सर्वे कार्य कराया जा रहा है तथा इसके लिए प्रमुख चौराहों और मुख्य स्थलों पर होर्डिंग, फ्लैक्स ,बैनर पोस्टर लगाए गए है और सुंदर वॉल पेंटिंग भी किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर ÷अंगीकार अभियान 2025 ÷ भी चलाया गया तथा जोन कार्यालय एवं अन्य जगह पर शिविर, आवास ऋण मेला का आयोजन भी किया गया है, ताकि नगर निगम में सभी निवासरत पात्र गरीब परिवार को पक्का आवास देकर उनका सपना साकार हो सके । इसके लिए नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा अथक प्रयास किया जा रहा है ।

जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत मतदाता सूची अद्यतन प्रक्रिया जारी

मतदाता सूची निर्माण के लिए सहयोग करने की अपील की

गरियाबंद। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में कार्य संपादित कराया जा रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के तहत् 23 दिसम्बर 2025 को जिला गरियाबंद अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 54-राजिम के 298 मतदान केन्द्रों तथा 55-बिन्द्रानवागढ़ के 306 मतदान केन्द्रों में प्रारूप मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया हैं। उक्त कार्यक्रम के तहत् 22 जनवरी 2026 तक मतदाताओं से दावा, आपत्ति प्राप्त किये जाएंगे। अन-मैप्ड मतदाताओं को 22 जनवरी 2026 तक नोटिस भी जारी किया जायेगा। उक्त अवधि में प्राप्त सभी दावा-आपत्तियों का निराकरण 14 फरवरी 2026 तक किया जायेगा। इसके पश्चात् 21 फरवरी 2026 को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। दावा-आपत्ति सुनवाई अवधि के दौरान विधानसभा स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के द्वारा साप्ताहिक आधार पर राजनैतिक दलों के साथ प्राप्त दावा, आपत्तियों की सूची भी साझा किया जायेगा। कार्यक्रम के तहत् 20 जनवरी 2026 को जिले के अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय राजिम, देवभोग में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा चतुर्थ साप्ताहिक बैठक आहूत कर दावा, आपत्तियों की साप्ताहिक सूची (प्रारूप 9, 10, 11, 11ए, 11बी) की जानकारी प्रदाय की गई। साथ ही विधानसभा क्षेत्र 55-बिन्द्रानवागढ़ अंतर्गत साप्ताहिक आधार पर प्राप्त एवं एन्ट्री की गई फॉर्म-6,7 एवं 8 की जानकारी प्रदाय किया गया। प्रारूप 9 के प्रपत्र 6 में नाम शामिल करने के लिए प्राप्त आवेदनों की सूची। प्रारूप 10 के प्रपत्र 7 में नामों को शामिल करने पर आपत्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की सूची।

गोदावरी पावर एंड सोलर प्लांट द्वारा नियमों के खुला उल्लंघन

विधायक चातुरी नंद ने कार्यवाही की मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सरायपाली। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जंगलबेड़ा में प्रस्तावित सोलर विद्युत परियोजना को लेकर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद ने ग्रामीणों के साथ कलेक्ट्रेट पःहुंच कर कलेक्टर महासमुंद को विस्तृत पत्र प्रेषित कर परियोजना की उच्च स्तरीय जांच, निर्माण कार्य पर तत्काल रोक, लीज निरस्तीकरण एवं दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। विधायक चातुरी नंद ने बताया कि मेसर्स गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड को छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 102.930 हेक्टेयर भूमि सोलर परियोजना हेतु लीज पर दी गई है, परंतु परियोजना का निर्माण ग्रामसभा की वैधानिक सहमति के बिना प्रारंभ कर दिया गया है, जो कानूनन अवैध है। विधायक चातुरी नंद ने कलेक्टर महासमुंद को सौंपे अपने ज्ञापन में कहा है कि विधानसभा में उनके द्वारा पूछे गए तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में स्वयं माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने यह स्वीकार किया है कि संबंधित संस्था को ग्रामसभा का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। इसके बावजूद स्थल पर निर्माण गतिविधियां प्रारंभ कर दी गई हैं, जो संविधान, पंचायत अधिनियम एवं सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने समथा बनाम आंध्र प्रदेश राज्य (1997) के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि एवं प्राकृतिक संसाधनों पर ग्रामसभा का अधिकार सर्वोपरि है और उसकी सहमति के बिना कोई भी परियोजना वैध नहीं मानी जा सकती। विधायक ने ज्ञापन में यह भी उल्लेखित है कि लीज डीड की कंडिका 9 तथा कलेक्टर महासमुंद के राजस्व आदेश (ई-कोर्ट प्रकरण वर्ष 2024-25) में स्पष्ट प्रावधान है कि बिना सक्षम अनुमति किसी भी वृक्ष की कटाई निषिद्ध है। इसके बावजूद परियोजना स्थल पर बड़े पैमाने पर अवैध वृक्ष कटाई की गई है, जिसकी पुष्टि तहसीलदार के जांच प्रतिवेदन में भी हुई है। यह कृत्य भारतीय वन अधिनियम 1927, वन (संरक्षण) अधिनियम 1980, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों का घोर उल्लंघन है, जो दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। विधायक चातुरी नंद ने आरोप लगाया कि प्लांट प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत की निस्तार भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है। इतना ही नहीं, तालाब एवं एनीकट को पाटकर परियोजना स्थापित की जा रही है तथा जंगलबेड़ाङ्कउड़ीसा सार्वजनिक मार्ग (अंतरराज्यीय संपर्क मार्ग) को भी बाधित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग दो राज्यों को जोड़ने वाला वर्षों पुराना सार्वजनिक रास्ता है, जिसे बंद किया जाना जनहित के खिलाफहै। सुप्रीम कोर्ट के जगपाल सिंग बनाम पंजाब राज्य (2011) निर्णय में स्पष्ट निर्देश है कि तालाब, चारागाह, निस्तार भूमि एवं सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण अस्वीकार्य है और उसे तत्काल हटाया जाना चाहिए। विधायक चातुरी नंद ने कहा कि ग्राम जंगलबेड़ा ड्राई एरिया है, जहां पानी की गंभीर समस्या है। ऐसे क्षेत्र में तालाब एवं एनीकट को पाटना जल संरक्षण नीति, राज्य जल नीति तथा संविधान के अनुच्छेद 21 (स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार) का उल्लंघन है। विधायक चातुरी नंद ने बताया कि लगातार शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने स्वयं ग्रामीणों के साथ स्थल का निरीक्षण किया, जहां नियमों को ताक पर रखकर निर्माण कार्य होते पाया गया।

विधायक की प्रमुख मांगें

5 दिवस के भीतर उच्च स्तरीय जांच टीम गठित की जाए, जांच पूर्ण होने तक परियोजना के सभी कार्यों पर तत्काल रोक लगाई जाए, लीज शर्तों व कानूनों के उल्लंघन पर लीज निरस्तीकरण की कार्रवाई हो, अवैध वृक्ष कटाई एवं अतिक्रमण पर दंडात्मक व आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाएं, तालाब, एनीकट व सार्वजनिक मार्ग को पूर्व स्थिति में बहाल कराया जाए, पर्यावरणीय क्षति का आकलन कर क्षतिपूर्ति वसूली की जाए।

27 जनवरी से आंदोलन की चेतावनी

विधायक चातुरी नंद ने स्पष्ट किया कि यदि तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्य बंद नहीं कराया गया तो वे 27 जनवरी से ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवैधानिक दायरे में धरना प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल के लिए बाध्य होंगी, जिसकी समस्त प्रशासनिक एवं विधिक जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

ग्रामीण रहे उपस्थित

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से ब्लाक कांग्रेस कमेटी सरायपाली ग्रामीण के ब्लाक अध्यक्ष तेजराम पटेल, टेकचंद चौधरी, घासी राम चौहान, महेश भोई, किशोर मेहर, जुगल किशोर भोई, कैलाश चौधरी, बेनुधर पटेल, उज्जवल भोई, भीष्म देव भोई सहित ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल उपस्थित थे।

60 में अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई, पुष्पक नगर से कातुल बोर्ड चौक तक हटाए गए अवैध बैनर-पोस्टर

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर में स्वच्छता एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में अतिक्रमण अमला द्वारा आज वार्ड क्रमांक 60 अंतर्गत पुष्पक नगर से कतुल बोर्ड चौक एवं आसपास के क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।कार्रवाई के दौरान नालियों के बाहर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया तथा अवैध रूप से रखी गई सामग्री को जब्त किया गया। निगम द्वारा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।अवैध बैनर-पोस्टर हटाकर शहर की सुंदरता पर जोर- स्वच्छता एवं शहर की सुंदरता को ध्यान में रखते हुए पुष्पक नगर से कातुल बोर्ड चौक तक सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए अवैध बैनर एवं पोस्टरों को हटाया गया। इस संबंध में आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि शहर की व्यवस्था बिगाड़ने वाली गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।नियमों की अनदेखी पर अर्थदंड-नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर नालियों के बाहर रॉड रखे जाने पर संबंधित व्यक्तियों से जुर्माना राशि वसूल की गई। इसके साथ ही दुकानों में डिस्पोजेबल सामग्री पाए जाने एवं डस्टबिन नहीं रखने पर संबंधित दुकानदारों पर अर्थदंड की कार्रवाई की गई।नागरिकों से सहयोग की अपील- नगर निगम ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे नालियों के बाहर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें, स्वच्छता नियमों का पालन करें तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें।

चरौदा निगम कमिश्नर डी.एस. राजपूत कर रहे प्रतिदिन वार्डों का निरीक्षण

निर्माण कार्य, सफाई अभियान व पीएम आवास हितग्राहियों से ले रहे फीडबैक

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई-03 चरौदा के कमिश्नर डी.एस. राजपूत द्वारा निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इस निरीक्षण का उद्देश्य निगम के अलग-अलग विभागों द्वारा प्रतिदिन किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करना, निर्माण एवं विकास कार्यों की गुणवत्ता का परीक्षण करना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से सीधे फीडबैक प्राप्त करना है। कमिश्नर राजपूत सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन अलग-अलग वार्डों में जाकर निर्माण कार्यों की प्रगति, दैनिक सफाई व्यवस्था और योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा ले रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार, 19 जनवरी 2026 को प्रातः 7.30 बजे उन्होंने नगर भ्रमण कर वसुंधरा नगर दक्षिण, पुराने व्यवहार न्यायालय क्षेत्र से लेकर मानसरोवर कॉलोनी, पदुमनगर भिलाई-03 एवं मणिकंचन केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने सफाई विभाग द्वारा किए जा रहे दैनिक शहर सफाई कार्यों का अवलोकन किया और मौके पर मौजूद कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से शादी-समारोह एवं अन्य कार्यक्रमों के बाद एकत्र होने वाले कचरे के त्वरित एवं उचित निष्पादन के निर्देश स्वास्थ्य एवं सफाई विभाग को दिए। मणिकंचन केंद्र भिलाईङ्क03 पहुंचकर कमिश्नर राजपूत ने गीले एवं सूखे कचरे के पृथकीकरण तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों की समीक्षा की और इसे और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

अवैध रूप से संचालित मांस-मटन दुकान को निगम ने किया बेदखल

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के प्रातः निरीक्षण में खुले में अवैध रूप से दुकान लगाकर मांस-मटन विक्रय करते पाया गया। निगम क्षेत्र में अवैध दुकान संचालित कर मांस-मटन विक्रय प्रतिबंधित किया गया है, उसके बाद भी मुख्य चौराहे पर कटिंग कर बेचा जा रहा था। जोन-3 सुभाष चौंक में अवैध रूप से दुकान लगाकर खुले में मांस-मटन विक्रय किया जा रहा था। निगम आयुक्त के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के उपस्थिति में मांस-मटन किये जा रहे दुकानों पर बेदखली कार्यवाही की गई। लगाये गये बांस-बल्ली को जे.सी.बी. से तोड़कर जप्त किया गया। दुकान संचालक को समझाइस भी दिया गया है कि कहीं भी खुले में दुकान न लगाये। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव सहित बेदखली टीम उपस्थित रहे।

12 दुकानों पर लगा सील बकाया किराया नहीं जमा करना पड़ा भारी

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम दुर्ग ने गंज पारा स्टेट बैंक के पीछे आबंटित दुकानदारों द्वारा नियमित किराया जमा नही किया जा रहा है, निगम के बाजार विभाग अमला द्वारा 12 दुकानों को सील कर दिया है। यह कार्रवाई आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर निगम प्रभारी बाजार अधिकारी अभ्यूदय मिश्रा,सहायक शशिकांत यादव, सहायक ईश्वर वर्मा के नेतृत्व में की गई। इस दौरान बाजार विभाग एवं राजस्व विभाग टीम भी मौजूद रही। बकाया किराया जमा न होने पर हुई कार्रवाई नगर निगम के अनुसार,गंजपारा स्टेट बैंक के पीछे आबंटित 12 दुकानों को लीज पर आवंटित किया गया था और प्रत्येक दुकान पर प्रतिमाह निर्धारित किराया जमा करने का प्रावधान था। बाद में किराए में वृद्धि की सूचना भेजकर दुकानदारों को नोटिस जारी किया गया, लेकिन अधिकांश दुकानदार समय पर भुगतान नहीं कर सके। सील की गई 12 दुकानों पर निगम का किराया बकाया था। नोटिस अवधि पूरी होने के बाद दुकानों का आवंटन निरस्त कर दुकानों को सील किया गया। मोहम्मद हसन खान / मतिक खान स्टेट बैंक के पीछे - 32,कु. पूजा सेन / शिवनन्दन सेन गंजपारा , 56,शंकर शर्मा /शारदा शर्मा - 57,मोहम्मद जाकिर /मोहम्मद बशीर - 66,नेहा केसरवानी / रवि केसरवानी - 71,प्रहलाद लालवानी / गोविंद लाल - 72,अय्युब गहलोत / सिराजुद्दीन- 79,श्रीमती शीतल जांगीड़ /महेन्द्र जांगीड़ - 80,मुनव्वर अली / मुकद्दर अली - 83,जाकीर हुसैन / मुकद्दर अली - 84,नागेश्वर सोनकर - 89,गिरधारी देवांगन / खोदूराम - 93 बकाया राशि में लगातार वृद्धि। बाजार विभाग द्वारा बताया कि अलग-अलग दुकानों पर अलग-अलग बकाया है।

जिपं सदस्यों ने कहा स्टाफ पर एफआईआर, कृष्णा और कुमुद हास्पिटपल पर हो कार्रवाई

- मामला रेप पीडिता नाबालिग की डिलीवरी कराने का, सदन में गूंजा मामला

राजनांदगांव। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक बुधवार को हुई। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान नाबालिग की डिलीवरी का मामला उठाया गया। सदस्यों ने सीधे तौर पर अब तक की गई कार्रवाई में ढिलाई बरतने की बात कही और कहा कि मामले में जब स्टाफ कर्मचारियों पर एफआईआर की गई है तो संस्थान को क्यों अब तक छोड़ा गया है, उन पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए। जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख ने कहा कि कृष्णा हास्पिटल को लेकर पहले भी कई मामले में आ चुके हैं, जिसमें शिकायत मिली है। लेकिन यह मामला काफी गंभीर है, रेप पीड़िता नाबालिग की डिलीवरी करा देना और नियम कायदों का दरकिनार कर देना। यह पूरी तरह से मनमानी है। यह पॉक्सो एक्ट का मामला है, इसलिए इस पर गंभीरता दिखाते हुए हास्पिटल के संचालकों पर कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही कुमुद हास्पिटल जहां से फर्जी जानकारी देकर नगर निगम से नवजात का जन्म प्रमाण पत्र बनाया गया है, ऐसे संस्थान पर भी सख्ती बरती जानी चाहिए। देशमुख ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख अधिकारी भी सदन में थे, उन्होंने भी मामले की जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है। जिपं सदस्य देशमुख ने कहा कि ऐसे मामले में दोनों ही हास्पिटलों पर कार्रवाई नहीं की गई और स्वास्थ्य विभाग मिलीभगत कर ऐसे संस्थानों को बचाता है तो शिकायत की जाएगी।

पर्यावरण को लगातार नुकसान, कहीं दिल्ली इंदौर की राह पर न बढ़ जाए भिलाई

भिलाई। भिलाई नगर में कचरा जलाने की समस्या अब गंभीर पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संकट का रूप लेती जा रही है। शहर के कई इलाकों—उमरपोटी, रामनगर सहित अन्य क्षेत्रों—में खुले में कचरा जलाने की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं, जिनसे उठने वाले जहरीले धुएं ने आमजन का जीना मुश्किल कर दिया है। इसके बावजूद हालात में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आ रहा। इन दिनों प्रियदर्शिनी परिसर स्थित अंडर ब्रिज के दूसरी ओर स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है। यहां लगातार बड़ी मात्रा में फ्रिज की थर्माकोल बॉडी, प्लास्टिक और रबर जैसे अत्यंत हानिकारक कचरे को खुले में फेंका जा रहा है। कचरे की मात्रा बढ़ने पर वहीं आग लगा दी जाती है, जिससे वायु प्रदूषण तेजी से फैल रहा है। इस जले हुए जहरीले मलबे को आसपास घूमने वाले गाय और कुत्ते खा लेते हैं, जिससे उनके बीमार पड़ने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। चिंता की बात यह है कि प्रियदर्शिनी परिसर के अंडर ब्रिज का यह क्षेत्र भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के अंतर्गत आता है, लेकिन बीएसपी प्रबंधन की ओर से इस गंभीर समस्या पर कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दे रही। आरोप है कि प्रबंधन का ध्यान उत्पादन, हाउस रिटेंशन, लीज अमाउंट और लाइसेंस आवास दरों में वृद्धि जैसे विषयों पर केंद्रित है, जबकि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे उपेक्षित हैं।

यह समझना जरूरी है कि प्रदूषण किसी सीमा रेखा को नहीं मानता। चाहे वह निगम क्षेत्र हो या बीएसपी का इलाका—इसका सीधा असर आम नागरिकों के शरीर पर पड़ता है। दिल्ली में प्रदूषण के कारण उत्पन्न हालात किसी से छिपे नहीं हैं। वहीं देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में पहचाने जाने वाले इंदौर को भी इन दिनों प्रदूषित पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। ये उदाहरण चेतावनी हैं कि समय रहते कदम न उठाए गए तो भिलाई भी इसी राह पर बढ़ सकता है। नगर निगम द्वारा बायोगैस प्लांट जैसे कुछ सकारात्मक प्रयास जरूर किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर सख्त निगरानी, कचरा जलाने पर रोक और जिम्मेदार संस्थाओं की जवाबदेही तय करना बेहद जरूरी है। आज यदि बीएसपी प्रबंधन, जनप्रतिनिधि, पार्षद और विधायक इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान नहीं देंगे, तो आने वाले समय में भिलाई का नाम भी प्रदूषण से जूझते शहरों की सूची में शामिल हो सकता है। अब वक्त है कि जिम्मेदार विभाग और जनप्रतिनिधि मिलकर ठोस कार्रवाई करें, ताकि भिलाई को सुरक्षित, स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाया जा सके।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com